सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 202 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 06 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बेमौसम बारिश का कहर, चारामा हाईवे पर घुटनों तक पानी

रायपुर। उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए। कई जगहों पर ओलावृष्टि हुई। अगले 24 घंटे में भी विभिन्न स्थानों पर अचानक मौसम बदलने तथा तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है।

सरकार बनाने कांग्रेस की मदद लेंगे थलापति, इन पार्टियों से भी बातें

चेन्नई। तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी तो बन गई, लेकिन बहुमत से दूर है। खुद थलापति दो सीटों से जीते हैं जिनमें से एक छोड़नी होगी। सरकार बनाने के लिए 118 विधायक चाहिए। बहुमत साबित करने के लिए थलापति को 11 विधायक और चाहिए। टीवीके सूत्रों के अनुसार 5 विधायकों वाली कांग्रेस से डील लगभग फाइनल है। बाकी 5 विधायकों के लिए वीसीके, सीपीआई और सीपीएम से बात हो रही है जिनके पास 2-2 विधायक हैं।

चुनाव बाद हिंसा, टीएमसी ऑफिस पर बुलडोजर चला, 24 घंटे में 4 हत्याएं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा शुरू हो गई हैं। कोलकाता के न्यू मार्केट में मंगलवार रात भीड़ ने टीएमके के पार्टी ऑफिस को बुलडोजर से गिरा दिया। टीएमसी ने एक्स पर लिखा- भाजपा का 'परिवर्तन' बुलडोजर लेकर आया है। भाजपा ने उत्तर 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में अपने दो कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप टीएमसी पर लगाया है। टीएमसी ने भी बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो पार्टी सदस्यों की हत्या का आरोप भाजपा पर लगाया है।

भुवनेश्वर के अपार्टमेंट में आग, 10 साल की बच्ची समेत 3 लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बुधवार सुबह एक रिहायशी इमारत में आग लगने से बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 4 बजे बसंती विला अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर हुआ। आग लगने के बाद बिल्डिंग में फंसे सुरक्षा गार्ड विश्वजीत बेहरा (70) और सुलता बेहरा (65) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, 10 साल की तेजस्विनी बेहरा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फायर ब्रिगेड ने 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पूरे देश में होगा पब्लिक वाईफाई का एक ही पासवर्ड, मांगे सुझाव

नई दिल्ली। देश भर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। इसके लिए सुझाव मांगे गए हैं।

एक तरफा प्यार की गजब मिसाल : प्रेमिका को वश में करने तंत्र-मंत्र, जलती चिता से चुराई खोपड़ी और अस्थियां

एजेंसियां

हापुड़। यूपी के हापुड़ में पुलिस ने श्मशान में जलती चिता से खोपड़ी चोरी करने के मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, एक आरोपी ने एकतरफा प्रेम में तंत्र क्रिया से युवती और उसके परिजनों को अपने वश में करने के लिए चिता से खोपड़ी और अस्थियां चोरी की थी।

मोहल्ला सोटावाली निवासी शुभांशु (16) इंटर का छात्र था। पेट की गंभीर बीमारी के चलते उसकी मौत हो गई थी। रविवार को परिजनों ने लोधीपुर के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया। चिता में आग लगाने के बाद सभी घर लौट आए थे। कुछ समय बाद जब वे वापस श्मशान घाट पहुंचे तो देखा कि सिर गायब है। परिजनों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कराए तो मोपेड सवार तीन लोग वहां से जाते हुए दिखाई दिए थे। पुलिस ने फुटेज के आधार पर तीनों को पकड़ लिया।

सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि मोहल्ला पुरानी चुंगी कोटला मेवातिया निवासी अमान एक युवती से एकतरफा प्यार करता है। उसे पाने के लिए वह संभल के तांत्रिक अवधेश शर्मा से मिला था। तांत्रिक ने उससे जलती चिता से इंसान की खोपड़ी लाने को कहा था।

तांत्रिक ने कहा था कि वह ऐसा वशीकरण बनाकर देगा जिससे उसकी प्रेमिका और उसका पूरा परिवार अमान के वश में हो जाएगा। इसी वजह से अमान ने खोपड़ी चोरी की थी। अमान, अवधेश शर्मा और एक नाबालिग को पकड़ा गया है।

पुलिस को तांत्रिक के ठिकाने से संदिग्ध सामग्री मिली है। घटनास्थल पर 50 अलग-अलग महिला और पुरुषों की तस्वीरें मिली हैं जिनपर तांत्रिक क्रियाएं की जा रही थीं।

करकाभाट : सड़कों के नीचे में दफ्न हो गई 5000 साल पुरानी विरासत की शिलाएं, पहुंचे दक्षिण कोरिया के शोधार्थी

दीपक रंजन दास

भिलाई/रायपुर। दक्षिण कोरियाई शोधार्थियों का एक दल में बालोद के करकाभाट पहुंचा है। शोध का विषय यहां की पाषाणकालीन कब्रें हैं। लगभग 5000 साल पुरानी इन कब्रों का अपना इतिहास है। पर यहां अब देखने के लिए ज्यादा कुछ नहीं बचा है। 1999 में हुए सर्वेक्षण में यहां 2500 प्राचीन कब्र स्मारकों को चिन्हित किया गया था। अब यहां मुश्किल से दो चार स्मारक ही खड़े हैं।

5000 वर्ष पुराना 'करकाभाट' महापाषाणीय स्थल अब अन्तर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। दक्षिण कोरिया से दो विदेशी शोधकर्ता इस ऐतिहासिक स्थल का अध्ययन करने पहुंचे जो प्रदेश के पर्यटन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

करकाभाट का यह स्थल उस कालखंड की गवाही देता है जब मानव समाज ने पूर्वजों की स्मृति में विशाल पत्थरों के स्मारक बनाने की परंपरा शुरू की थी। यहाँ स्थित मेनहिर, डोलमेन और पत्थरों के वृत्त प्रागैतिहासिक समाज की धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं का खुलासा करते हैं। महानदी घाटी का यह क्षेत्र पाषाण काल से महापाषाणीय काल के बीच

विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

बालोद धमतरी मार्ग की उत्तर दिशा में मीलों फैले इस क्षेत्र में विशाल चट्टानें खड़ी नजर आती हैं। वर्ष 1999 के सर्वे में ग्राम करकाभाट, करहीभदर, सोरर, चिरचारी, मुजगहन, कन्नेवाड़ा, बरही, बरपारा, कपरमेटा, धोबनपुरी, धनोरा, भरदा आदि गांव में लगभग 5 हजार प्राचीन कब्रों को चिन्हांकित किया गया था। इनमें से अनेक कब्रें बीते दो दशकों में ध्वस्त हो चुकी हैं। इनमें से अधिकांश लापरवाह इंजीनियर और ठेकेदारों की भेंट चढ़ चुके हैं। ग्रामीण बताते हैं कि इन ऐतिहासिक धरोहरों को तोड़कर सड़कों में बोल्डर की तरह बिछा दिया गया। इसके टुकड़े आज भी यहां बिखरे हुए हैं।

पुरातत्ववेत्ता प्रोफेसर अरुण कुमार शर्मा के मुताबिक बस्तर, नागालैंड, मणिपुर तथा अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में पाई गई ऐसी कब्रों में से ग्राम करकाभाट का कब्र समूह सबसे बड़ा था। यहां मुख्यत: तीन तरह के स्मारक पत्थर (मेनहीर) मिलते हैं। नुकीले (कोनिकल), मछली की पूंछ जैसे विभाजित शीर्ष वाले (फिशटेल) और एक तरफ से नुकीले सिरे वाले। इसके अलावा कैर्न, वृत, डोलमेन आदि भी हैं। इनके आसपास पिरामिड की शक्ल में सजाए गए पत्थरों के स्तूप मिलते हैं। खुदाई में यहां से भाला और तीर के सिरों पर लगने वाले नुकीले अंश तथा कृषि के औजार मिले हैं।

सड़क किनारे संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग का बोर्ड भी लगा हुआ है। जिसमें महापाषाणीय स्मारक स्थल की संस्कृति के बारे में जानकारी दी गई है पर कोई रुके तब तो पढ़े।

> "पिछले पांच वर्षों से जिले की धरोहरों को वैश्विक पटल पर लाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कोरियाई शोधकर्ताओं ने गाइड यशकांत गढ़े और टोमेश ठाकुर के मार्गदर्शन में यहाँ की संस्कृति और इतिहास का गहन अध्ययन किया।
> **सूरज करियारे,**
> अध्यक्ष, बालोद इको टूरिज्म

> "करकाभाट तक विदेशी पर्यटकों का पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो रहा है। हमारा उद्देश्य स्थानीय धरोहरों को संरक्षित करते हुए पर्यटन के जरिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।
> **राजेश अग्रवाल,**
> पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

आईपीएल 2026 प्लेऑफ का शेड्यूल जारी, 31 को अहमदाबाद में फाइनल : धर्मशाला और चंडीगढ़ में भी मुकाबले

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों का शेड्यूल जारी हो गया है। इसकी शुरुआत 26 मई को क्वालीफायर-1 मुकाबले से होगी। टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को प्लेऑफ मुकाबलों का डिटेल जारी किया।आईपीएल 2026 में 5 मई तक 48 मैच खेले जा चुके हैं। प्लेऑफ मुकाबले 70 मैच के बाद खेले जाएंगे। आईपीएल 2026 का पहला प्लेऑफ मुकाबला यानी क्वालीफायर-1 धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में 26 मई को खेला जाएगा। इसमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद टूर्नामेंट चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट होगा। यहां 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को क्वालीफायर-2 के मैच खेले जाएंगे।

सीजन का ग्रैंड फिनाले 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मोदी स्टेडियम लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

हेमचंद विश्वविद्यालय : एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर के पर्चे में इंग्लिश पेपर के जवाब हिन्दी में लिखे मिले, रिजल्ट अटका

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग स्थित हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी के एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों का रिजल्ट अब तक जारी नहीं हो पाया है। इस देरी की मुख्य वजह लीगल इंग्लिश के पेपर को लेकर सामने आई समस्या है। करीब 80 प्रतिशत छात्रों ने यह पेपर हिंदी में लिख दिया, जबकि नियमों के मुताबिक इसे अंग्रेजी में ही लिखा जाना था। अब यही गलती यूनिवर्सिटी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती

बन गई है।

यूनिवर्सिटी के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि अगर मौजूदा कॉपियों के आधार पर रिजल्ट जारी किया जाता है, तो बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने की संभावना है। दूसरी ओर अगर छात्रों को राहत देने की कोशिश की जाती है, तो नियमों पर सवाल खड़े होते हैं। इसी कारण फिलहाल रिजल्ट रोक दिया गया है और इस पर निर्णय लेने में देरी हो रही है।

दुर्ग संभाग में हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी से एलएलबी कराने वाले करीब 5-6 कॉलेज हैं। इनमें दुर्ग, राजनांदगांव और बालोद के कॉलेज शामिल हैं। इन कॉलेजों के छात्रों ने फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा में लीगल इंग्लिश का पेपर हिंदी में ही लिख दिया।

रायपुर में डबल मर्डर : बाउंसर ने अपनी दो सालियों को गोली मारी, बीवी पर था शक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के मोवा में नशे में धुत बाउंसर ने पत्नी से विवाद के बाद अपनी दो सालियों की गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी जितेंद्र वर्मा उर्फ जित्तू पत्नी के कैरेक्टर पर शक करता था, जिससे नाराज होकर वह बच्चे को लेकर मायके चली गई थी।

मंगलवार रात जितेंद्र अपनी लाइसेंसी पिस्टल लेकर ससुराल पहुंचा और बच्चे से मिलने की जिद करने लगा। जब साली गीतांजलि (26) और दुर्गेश्वरी (24) ने उसे समझाने की कोशिश की, तो उसने फायरिंग कर दी।

माथे पर गोली लगने से गीतांजलि की मौके पर मौत हो गई, जबकि दुर्गेश्वरी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया।

जीतेंद्र वर्मा बाउंसर का काम करता है। वह पत्नी खिलेश्वरी के कैरेक्टर पर शक करता था। ऐसे में आए दिन दंपती में विवाद होते रहता था। मंगलवार को विवाद के बाद पत्नी बच्चे के साथ ससुराल चली गई थी, जीतेंद्र का पत्नी से संपर्क नहीं हो पा रहा था।

वह रात करीब 9 बजे मोवा बाजार के पास स्थित ससुराल में लाइसेंसी पिस्टल लेकर पहुंच गया और बच्चे से मिलने की जिद करने लगा। इस दौरान उसकी सालियां गीतांजलि और दुर्गेश्वरी बाहर आईं और उसे समझाकर वापस जाने को कहा। इसी बात से नाराज जीतेंद्र पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली गीतांजलि के माथे पर लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर गई और तड़पती रही। वहीं दूसरी गोली दुर्गेश्वरी के पीठ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

आसपास के लोगों ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने गीतांजलि को मृत घोषित कर दिया, जबकि दुर्गेश्वरी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार नहीं हुआ, बल्कि घर के बाहर निकला और सड़क में हवाई फायरिंग की। इसके बाद थाने पहुंचा और सरेंडर किया।

पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बताया कि आरोपी अपनी पत्नी पर शक करता था, जिसके कारण उसका पत्नी से आए दिन विवाद होता था। मंगलवार को भी आरोपी जब ससुराल पहुंचा तो उसका ससुराल पक्ष से विवाद हुआ था। विवाद के बाद आरोपी ने अपनी साली पर फायरिंग कर दी।

सीजीपीएससी घोटाले के मुख्य आरोपी उत्कर्ष की जमानत याचिका हुई खारिज

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की 2020-2022 की परीक्षा में हुए घोटाले के एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस बिभु दत्त गुरु की सिंगल बेंच ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक करना दिन-रात मेहनत करने वाले लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

सीजीपीएससी की परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों की जांच सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) कर रही है। इस मामले में रायपुर के शांति नगर निवासी उत्कर्ष चंद्राकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने चयन के बदले उम्मीदवारों से 50 से 60 लाख रुपए तक की मांग की थी।

जांच में पता चला कि परीक्षा से पहले उम्मीदवारों को रायपुर के सिद्धि विनायक पैलेस, बारनवापारा रिजॉर्ट और होटल वेंकटेश इंटरनेशनल में ठहराया गया था। प्रारंभिक परीक्षा से एक दिन पहले 12 फरवरी 2022 को उत्कर्ष ने करीब 30-35 उम्मीदवारों को प्रश्नपत्र और उसके जवाब दे दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में 33 न्यायाधीश और प्रधान न्यायाधीश हैं। इस संख्या को चार और बढ़ाने के लिए संसद के अगले सत्र में एक विधेयक लाया जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद, उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 38 हो जाएगी।

वंदेमातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, केबिनेट ने दी मंजूरी, अपमान पर सजा या जुर्माना भुगतना होगा

एजेंसियां

नई दिल्ली। इस साल 26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य परेड की थीम वंदे मातरम रखी गई थी। परेड के दौरान वंदे मातरम की झांकी भी निकली थी। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित

वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

नई गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए। इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रम शामिल हैं।

संपादकीय

भगवा हुआ बंगाल

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फ्लत: दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दु:स्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है।

> “ स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है।

इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल- ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल,विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान उपजी कटुता को नियंत्रित करने के प्रयास बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के करने होंगे। निस्संदेह, लोकतंत्र में हिंसा की कोई भूमिका नहीं स्वीकारी जानी चाहिए। विश्वास करें कि नयी सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

आखरी पड़ाव पर जिंदगी के संघर्ष

डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

> स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ के कारण बुजुर्गों का जीवन और अधिक कठिन और जटिल हो जाता हैं। मधुमेह, हृदय व फेफड़े सम्बंधित रोग, गठिया, घुटने का दर्द और दृष्टि-श्रवण संबंधी परेशानियाँ वृद्धावस्था में सामान्य हैं। दुर्भाग्यवश, हमारा लोक स्वास्थ्य तंत्र काफी कमजोर है और इसमें वृद्धावस्था-विशेष चिकित्सा सेवाएँ बहुत ही सीमित हैं।

भारत में परिवार सामाजिक क्षरण के दौर से गुज़र रहे हैं। संयुक्त परिवारों का एकल परिवारों में टूटना समाज में तरह-तरह की विसंगतियों व विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है और वृद्धजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा का संकट उत्पन्न कर रहा है द्य माता-पिता के अनुशासन और उनकी रोक-टोक से मुक्त होकर आधुनिकता के साथ अपनी मन-मर्जी के अनुसार स्वतंत्र जीवन जीने की बलवती होती इच्छाएं वर्तमान दौर की संतानों में बढ़ती जा रही है द्य इन इच्छाओं को बाज़ार खूब हवा देता है और फिर उन्हें अपने अनुरूप जीवन शैली में ढाल लेता है द्य रोजगार के लिए दूसरे शहरों या विदेशों में बसने से होने वाले विस्थापन से भी परिवार अवकृत हो जाता है। एक कारण यह भी है कि सामाजिक दुष्प्रभावों व संपत्ति संबंधी विवाद के कारण उपजने वाले मनमुटाव का अंत सामान्यत: परिवार को विघटन स्थिति में ला देता है। कुछ मामलों में तो एक ही घर में रहते हुए भाई-भाई में एक दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। किसी ने सही कहा है।

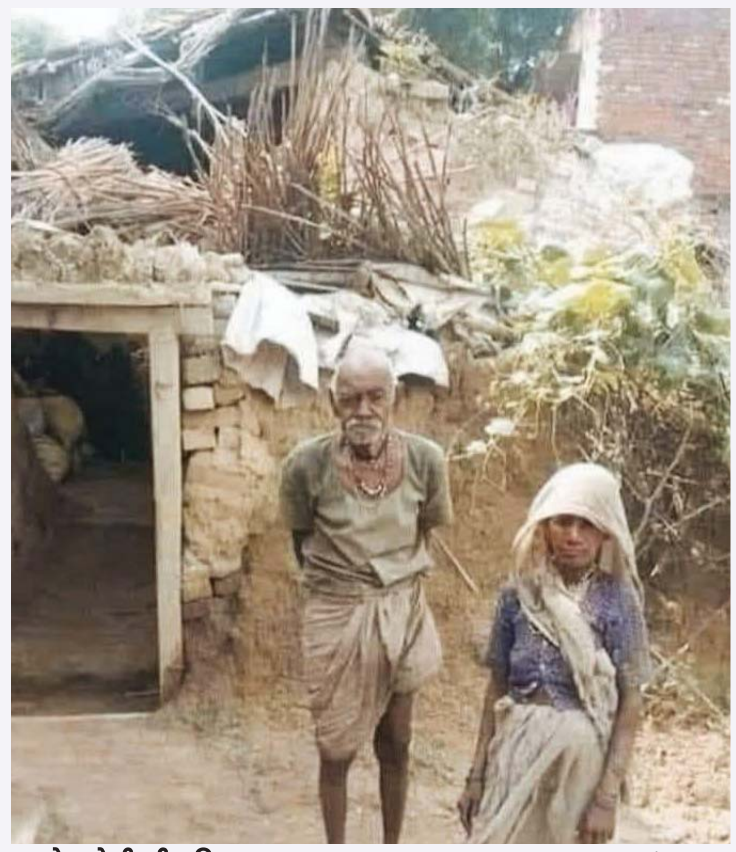

पहले पड़ोसी भी परिवार था। अब घर में ही हैं कई पड़ोसी ।।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगभग 14.9 करोड़ है, अर्थात हर 10 नागरिकों में 60 वर्ष से अधिक उम्र का 1 वरिष्ठ नागरिक है द्य देश के वरिष्ठ नागरिकों की यह संख्या अमेरिका और फ्रांस दोनों की जनसंख्या के योग से भी अधिक है द्य 2050 में भारत में बुजुर्गों की यह संख्या 32 करोड़ हो जाएगी, यानि हर 10 नागरिकों में 5 बुजुर्ग होंगे द्य बदलती पारिवारिक संरचना, बढ़ता शहरीकरण और व्यक्तिगत जीवन-शैली ने जब बुजुर्गों की पारंपरिक सामाजिक सुरक्षा को कमजोर कर दिया है। तब ऐसे समय में यह सवाल अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या हमारा देश और समाज हमारे बुजुर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के बुजुर्गों को उनके जीवन के अंतिम पड़ाव में गरिमामय जीवन व्यतीत करने की स्थितियां देने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार है?

हमारे देश में अधिकतर बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ा सवाल आर्थिक असुरक्षा का है द्य देश में अधिकतर व्यक्ति असंगठित क्षेत्र में कार्य करते है, जहाँ पेंशन या सेवानिवृत्ति लाभ की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। असंगठित क्षेत्र में मजदूरी व नौकरी करने वाले, छोटी-मोटी सेवाएं देने या रेडी-दूकान लगाने वालों का वृद्धावस्था में आय के स्त्रोत समाप्त हो जाते हैं द्य बढ़ती महँगाई के चलते, ऐसी स्थिति में आर्थिक जरूरतों के लिए बुजुर्गों को संतान या परिजनों पर निर्भर हो जाना पड़ता है। यह निर्भरता उनके आत्मसम्मान को भी आघात पहुँचाती है। विधवा बुजुर्ग महिलाएँ इस संकट से ज्यादा गुजरती हैं।

भारत में व्यक्ति की 'जीवन प्रत्याशा' बढ़ कर 72-73 हो चुकी है। इस पर सरकार अपनी पीठ भी ठोकती है। लेकिन जीवन प्रत्याशा से ज्यादा महत्वपूर्ण है- 'स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' द्य आयु-जनित कठिनाइयों के बाबजूद स्वस्थ व क्रियाशील रहते हुए जीवन के समाप्त होने की औसत अवधि 'स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के 65 प्रतिशत बुजुर्गों का जीवन किसी न किसी दीर्घ कालीन बीमारी, व्याधि और शारीरिक चुनौती से जूझते हुए समाप्त होता है द्य हालाकि, आधुनिक चिकित्सा पद्दतियों, उपचार व दवाओं के कारण इस स्थिति में भी वे अब ज्यादा वर्ष जी लेते हैं द्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ के कारण बुजुर्गों का जीवन और अधिक कठिन और जटिल हो जाता हैं। मधुमेह, हृदय व फेफड़े सम्बंधित रोग, गठिया, घुटने का दर्द और दृष्टि-श्रवण संबंधी परेशानियाँ वृद्धावस्था में सामान्य हैं।

दुर्भाग्यवश, हमारा लोक स्वास्थ्य तंत्र काफी कमजोर है और इसमें 'वृद्धावस्था-विशेष चिकित्सा सेवाएँ' बहुत ही सीमित हैं द्य निजी अस्पतालों में उपचार आम बुजुर्गों की आर्थिक हैसियत से बाहर रहता है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत वाह्य रोगी सेवाओं, बिना भर्ती हुए पैथोलॉजिकल जांच, दवाइयों व श्रवण यंत्र आदि खरीदने पर बंधन होने से तथा दूर दराज से अधिकृत अस्पताल तक आने-जाने व रहने के खर्च की व्यवस्था के न होने, परिजनों द्वारा उन्हें दूर दराज अस्पताल तक लाने-ले जाने में सहयोग न करने के कारण अधिकांश बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत इलाज नहीं करवा पाते हैं द्य बुजुर्गों के लिए मानसिक स्वास्थ्य भी एक उपेक्षित लेकिन गंभीर मुद्दा है। रोजगार या शिक्षा के लिए बच्चों का पलायन, अकेलापन और सामाजिक उपेक्षा बुजुर्गों को अवसाद की ओर धकेल रही है। कई बार वे स्वयं को परिवार पर बोझ समझने लगते हैं।

आजकल बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उपेक्षा की घटनाएँ भी बढ़ रहीं हैं। संपत्ति विवाद और आर्थिक शोषण जैसे मामले सामने आ रहे हैं। बुजुर्गों को बोझ मान कर उनके साथ अमानवीय व्यवहार और कभी कभी मार-पीट करने के हालात कई परिवारों में देखने को मिलते हैं। विवाद पैदा कर घर से बुजुर्गों को बेदखल कर दिया जाने लगा है। मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना से तंग होकर कभी-कभी बुजुर्ग खुद ही घर से निकल जाते हैं और और असुरक्षित जीवन जीने को विवश होते हैं द्य प्रताड़ित बुजुर्गों के आत्म हत्या के मामले भी सामने आने लगे हैं द्य यद्यपि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम प्रभावशील है, किंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, तेजी से डिजिटल होती सेवाओं ने बुजुर्गों के सामने नई समस्यायें खड़ी कर दीं हैं । बैंकिंग, पेंशन, स्वास्थ्य और सरकारी सुविधाएँ के ऑनलाइन हो जाने से तकनीक से अपरिचित बुजुर्ग कठिनाइयों से गुजरते हैं ।

कई बुजुर्ग साइबर ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी जमा-पूंजी गँवा बैठते हैं द्य बड़े शहरों में कई संपन्न बुजुर्ग अपने ही नौकर से लूटे या क़त्ल किये जा चुके हैं वास्तव में बुजुर्ग अनुभव और मार्गदर्शन के अमूल्य स्त्रोत हैं। उनसे परिवार व समाज को दिशा और संतुलन मिलता है। अत: उन्हें अधिकार, सम्मान और सक्रिय भागीदारी के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। बुजुर्गों की साल-दर-साल बढ़ रही संख्या के परिपेक्ष्य में एक दीर्घकालीन नई राष्ट्रीय वृद्जन नीति बनाया जाना जरुरी हैं जो बुजुर्ग जनसँख्या की आवश्यकताओं को संबोधित कर सकें। केन्द्रीय बजट में बुजुर्गों के लिए सार्वभौमिक पेंशन, सुदृढ़, वृद्दावस्था विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, कानूनी सुरक्षा और वृद्धजन-अनुकूल बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त धन -राशि का प्रावधान होना चाहिए।

बंगाल जीत के बाद यूपी पर निर्भरता घटेगी

नवनीत गुर्जर

कहते हैं रेगिस्तान में दूर चमकती रेत को देखकर जिन्हें वहाँ पानी होने का भ्रम नहीं होता, जरूर उनकी प्यास में कोई कमी रही होगी! भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल वर्षों से एक तरह का राजनीतिक रेगिस्तान था। लेकिन उसकी प्यास में कोई कमी नहीं थी।

आगे की सोच और उम्दा रणनीति ने आखिर भाजपा को जीत दिला ही दी। अब गंगोत्री से गंगासागर तक भारत भाजपामयी हो चुका है! पश्चिम बंगाल की जीत ने एक तरह से भाजपा के लिए 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत का रास्ता भी खोल दिया है। पहले कभी कहा जाता था कि भारतीय राजनीति की हवा गंगा से होकर ही बहती है। मायने ये थे कि जिसका उत्तर प्रदेश, उसी का देश। चाहे वो जमाना नेहरू जी का हो, इंदिरा गांधी का या राजीव गांधी का। लेकिन तब से अब तक गंगा नदी में बहुत पानी बह चुका है! अभी 2024 के लोकसभा चुनावों को ही देख लीजिए- उत्तर प्रदेश में भाजपा को भारी नुकसान होने के कारण वह बहुमत से पीछे रह गई थी। लेकिन, अब बिहार और पश्चिम बंगाल में मजबूती के साथ पैर

जमाने के बाद भाजपा की अकेले उत्तर प्रदेश पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी। वजहें साफ हैं। ममता के करीबी और उनकी पार्टी का कैडर सत्ता में न होने के कारण बिखरने लगेगा। धनबल कम होता जाएगा। बाहुबल तो बचेगा ही नहीं, जिसके दम पर 15 साल तक शासन, सरकार और पार्टी को चलाया गया। तृणमूल की यही कमजोरी अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को भर-भर के सीटें देगी। कमोबेश यही हाल बिहार में भी रहेंगे। नीतीश कुमार के दिल्ली यानी राज्यसभा में आने के बाद राज्य में उनका जदयू निश्चित रूप से कमजोर होगा, जिसका पूरा फायदा भाजपा को मिलेगा। क्योंकि गंगा तो आखिर बिहार और बंगाल में भी बहती ही है! जहां तक पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का सवाल है, इसके पीछे लम्बे समय तक की कड़ी मेहनत शामिल है।

रणनीति बनाना, फिर हार जाना। फिर रणनीति गढ़ना, फिर हार जाना, लेकिन हार नहीं मानना। और आखिर कर दिखाना। पिछले पंद्रह वर्षों में संघ और भाजपा के कितने ही कार्यकर्ता पिटे और पिटते रहे। कई को तो जान से भी हाथ धोना पड़ा, लेकिन किसी ने हार नहीं मानी। हर चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को पिटने का खौफ हुआ करता था। बूथ लेवल पर पार्टी के पास पर्याप्त कार्यकर्ता नहीं हुआ करते थे।

लेकिन इस बार रणनीतिक रूप से गृह मंत्री अमित शाह ने ये सारी कमियां दूर कीं। पांच-पांच महीने पहले से लोगों को तैयार किया। पश्चिम बंगाल में कैम्प कराया। वहां के कार्यकर्ताओं के मन से भय को भगाया। तब जाकर इस बार यह कामयाबी हाथ आई है। ममता के गढ़ साउथ बंगाल में भी तृणमूल के तिनके बिखेर देना मामूली बात नहीं है। खुद ममता को भवानीपुर से हरा देना, किसी आश्चर्य से कम नहीं। दरअसल, ममता बनर्जी की कमी यह रही कि जिस मां, माटी और मानुष का नारा देकर वे 15 साल पहले सत्ता में आई थीं, धीरे-धीरे उसी से दूर होती गईं। पार्टी कार्यकर्ताओं को कमाने, धमकाने, मारने-पीटने की खुली छूट देकर उन्होंने समझा कि इनके बल पर चुनाव जीतना ही परम उद्देश्य है।

लोगों की, उनके हितों की, उनके आस-पास के विकास की चिंता न उन्होंने की और न ही कार्यकर्ताओं को कभी इस दिशा में मोटिवेट किया। विकास होता, लोगों का भला सोचा जाता, तो हो सकता है पंद्रह साल की एंटी-इन्कम्बेन्सी भी जनता सह लेती। नाराजगी कुछ हद तक तो कम हो ही सकती थी। ममता की इन्हीं सब कमियों को भाजपा ने मुद्दा बनाया। भाजपा की रणनीति में इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह था कि उसने ममता पर कोई पर्सनल अटैक नहीं किया। गृह मंत्री अमित शाह ममता के शासन की कमियां गिनाते रहे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्ला और बंगाल से जुड़ी चीजों पर फोकस किया। यही वजह है कि आज हर तरफ झालमुड़ी की चर्चा है। अपनी प्रचंड जीत की खुशी में भी भाजपा ने मिठाई के बजाय झालमुड़ी बंटवाई। ये झालमुड़ी और कुछ नहीं इंदौर की लाई-सेव की ही सगी बहन है। खाई ये उत्तर प्रदेश और बिहार में भी जाती है, लेकिन पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री मोदी ने एक दुकान पर दस रुपए देकर झालमुड़ी क्या खाई, ये पूरी चुनावी राजनीति का स्टेटस सिम्बल बन गई। ममता को इसी झालमुड़ी का जोरदार झटका लगा और तृणमूल तृण-तृण हो गई!

बिहार और बंगाल में मजबूती

2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा को भारी नुकसान होने के कारण वह बहुमत से पीछे रह गई थी। लेकिन अब बिहार और बंगाल में मजबूती से पैर जमाने के बाद भाजपा की अकेले यूपी पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी।

अंतरिक्ष में चीनी-अमेरिकी संघर्ष के बीच भारत

पुष्परंजन

अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर होड़ में दोनों की महत्वाकांक्षाएं हैं। वहीं भारत की भी मानव अंतरिक्ष उड़ानें लॉन्च करने व चंद्रयान मिशन जैसी योजनाएं हैं। आर्टेमिस-टू की सफलता इसमें मददगार होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियों के बीच अंतरिक्ष में युद्ध छिड़ा, तो भारत के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बीते बुधवार को कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी सांसदों को बताया गया, कि चीन, अमेरिका के लिए 'अंतरिक्ष में सबसे बड़ा खतरा और प्रतिस्पर्धी' है, जो अपनी खगोलीय क्षमताओं का इस्तेमाल 'कूटनीति और सामरिक प्रभाव के एक हथियार के तौर पर' कर रहा है; यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब चांद पर पहुंचने की इन दोनों देशों की होड़, और तेज़ हो गई है।

अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर चल रही होड़ में दोनों देशों का लक्ष्य आने वाले सालों में चांद पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। जहां चीन ने अपनी पहली मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग के लिए 2030 का लक्ष्य रखा है, वहीं अमेरिका के आर्टेमिस कार्यक्रम का लक्ष्य 2028 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की सतह पर वापस लाना, और 2030 तक वहां एक अंतरिक्ष सैन्य अड्डा बनाना शुरू करना है; इससे इन दोनों महाशक्तियों के बीच कड़ी टक्कर शुरू हो गई है।

'सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़' में एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन के हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन यूरोप की एक सुनवाई में दी जानकारी के मुताबिक, 'जैसे-जैसे देश मानकों के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक के साथ जुड़ेंगे, तो जीतने वाला देश न सिर्फ़ तकनीक देगा, बल्कि वह उन शर्तों को भी तय करेगा, जिनके आधार पर सूचनाओं का आदान-प्रदान होगा। नेटवर्क आपस में काम करेंगे, लेकिन दुनिया को किस नज़र से देखा जाएगा?'

सुनवाई के दौरान फ्लोरिडा के रिपब्लिकन कांग्रेसी रैंडी फाइन के अनुसार, 'जब अंतरिक्ष की बात आती है, तो वह 'चीन को लेकर बहुत चिंतित हैं, जैसा कि मुझे पता है कि और भी कई लोग हैं। मुझे लगता है कि चीन खुद को हमारे साथ युद्ध की स्थिति में देखता है। यह भी कि हम अक्सर इसे उसी नज़र से नहीं देखते।'

दरअसल पिछले एक साल में अंतरिक्ष दौड़ में कई अहम घटनाक्रम देखने को मिले हैं; अमेरिका ने अपने आर्टेमिस कार्यक्रम का दूसरा सफल मिशन पूरा किया, वहीं चीन ने अपने 2030 के मून मिशन की तैयारी में कई अहम प्रगति की। अमेरिका ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसने इंसानों को सफलतापूर्वक चांद पर पहुंचाया है। दूसरी तरफ़ चीन, भारत और पूर्व सोवियत संघ सहित अन्य देशों ने चांद की सतह पर रोबोटिक मिशन उतारने में कामयाबी हासिल की।

गत बुधवार को हुई इस सुनवाई का शीर्षक

था, 'ऑर्बिट्स ऑफ़ इन्फ्लुएंस : यूएस स्पेस सिक्योरिटी'। यह सुनवाई उसी दिन हुई, जिस दिन ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आर्टेमिस-टू के अंतरिक्ष यात्रियों की मेज़बानी की थी। इस कार्यक्रम में नासा मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। सुनवाई के दौरान, एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन का चीन पर आरोप था कि वह ग्लोबल साउथ में अपनी साझेदारियों का विस्तार करके अंतरिक्ष का इस्तेमाल अन्य देशों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए कर रहा है।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्पेस पॉलिसी इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर स्कॉट पेस के मुताबिक, चीन अपनी महत्वाकांक्षाओं को मशहूर 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के ज़रिए आगे बढ़ा रहा है, जिसमें पार्टनर देशों को जोड़ने वाला एक बढ़ता हुआ स्पेस कंपोनेंट भी शामिल है। कैरी बिंगेन के खुलासे के मुताबिक, चीन ने 'ग्लोबल साउथ' कहे जाने वाले लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों के साथ समझौते किए हैं। बिंगेन के मुताबिक, 'वे स्पेस ग्राउंड एंटीना, ग्राउंड स्टेशन कमांड और कंट्रोल साइट लगा रहे हैं। यह बुनियादी टेक्नोलॉजी है जो उन ग्राउंड स्टेशनों और एंटीना को सरकारी सिस्टम या किसी कमर्शियल सिस्टम के साथ बातचीत करने में मदद करता है।' अमेरिकी एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन के मुताबिक, 'चीन, जहां एक तरफ अपना कमर्शियल स्पेस सेक्टर बना रहा है, वहीं उसका यह प्रोग्राम काफी हद तक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और सरकार द्वारा ही चलाया जा रहा है। इस सुनवाई में शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच हुई स्पेस रेस का भी ज़िक्र हुआ, जब रूस, 'सोवियत संघ' के नाम से जाना जाता था।'

20वीं सदी का ज़्यादातर हिस्सा मुकाबले में गुज़र गया, लेकिन हाल के सालों में हालात बदल गए हैं। इस बारे में बिंगेन के विचार हैं कि जहां रूस अभी भी एक खतरा बना हुआ है, वहीं चीन एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरा है, जो किसी भी आधुनिक स्पेस प्रोग्राम के इतिहास में सबसे तेज़ तरक्की में से एक है। कैरी बिंगेन के अनुसार, 'स्पेस में नई ऊंचाइयां छूने की दौड़ जारी है। अमेरिका, चीन और रूस, मिलिट्री और सुरक्षा के क्षेत्रों में स्पेस में एक-दूसरे से लगातार मुकाबला कर रहे हैं।'

ठीक से देखा जाये, तो यह पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। यहां रक्षा और अंतरिक्ष मामलों के विशेषज्ञ कौशिक रे की यह बात महत्वपूर्ण है कि, 'हालांकि, भारत आर्टेमिस-टू में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, लेकिन वह 'आर्टेमिस अकार्ड' का हस्ताक्षरकर्ता है, और इस तरह वह अमेरिका के नेतृत्व वाले चांद की खोज के बड़े इकोसिस्टम का हिस्सा बन जाता है। नतीजतन, आर्टेमिस-टू की सफलता उस ढांचे को मज़बूत करती है, जिसमें भारत अब एक हिस्सेदार है।'

गौरतलब है कि भारत ने पूरी शिद्दत से रूस, अमेरिका और चीन के बाद, मानव अंतरिक्ष उड़ानें लॉन्च करने वाला चौथा देश बनने का लक्ष्य रखा है। इस संदर्भ में चंद्रयान चंद्र अन्वेषण मिशनों का भी रे ने जिक्र किया। उनके मुताबिक, 'इसरो को आर्टेमिस-टू मिशन द्वारा जुटाए गए अनुभव और डेटा से फायदा होगा, जो भारत के चंद्रयान और गगनयान कार्यक्रमों के साथ-साथ लंबी अवधि की मानव अंतरिक्ष उड़ानों में इसरो की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं के लिए भी बहुत प्रासंगिक है।'

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) कक्षा में उपग्रहों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन की गई जमीनी मिसाइलों का विकास जारी रखे हुए है। पीएलए ने रोबोटिक भुजाओं, कैमरों और सेंसरों से लैस उपग्रह तैनात किए हैं, जो शत्रु उपग्रहों से निपटने या उनमें हस्तक्षेप करने में सक्षम हैं। चीन, इमेजिंग उपग्रहों को नुकसान पहुंचाने, जैमर के ज़रिये उनकी क्षमता कम करने, या उन्हें 'अंधा' करने के लिए डिज़ाइन की गई, जमीनी लेजर प्रणालियां विकसित कर रहा है। पेंटागन की रिपोर्ट की मानें, तो पीएलए, उपग्रह नियंत्रण प्रणालियों को हैक करने, सैन्य लामबंदी और रसद व्यवस्था को बाधित करने पर फोकस्ड है।

आर्टेमिस-टू का सहयोगी बनने से हमारी महत्वाकांक्षाओं को मज़बूती मिलती है, यहां तक तो बात ठीक है। लेकिन जो भविष्य की तैयारियां हम देख रहे हैं, यदि चीन और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष में युद्ध छिड़ा, फिर भारत के लिए विकट स्थिति होगी। दोनों पक्षों में देर-सवेर अंतरिक्ष में घमासान होना तय मानिये। ऐसे में भारत किसकी तरफ होगा? यह विचारणीय विषय है!

लेखक भू-सामरिक मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

प्रदूषण मुक्त खेती की ओर पहल दुष्प्रभावों को कम करने और उचित प्रबंधन हेतु जन जागरूकता

रायपुर। दुर्ग जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने खेतों में फसल अवशेष (पैरा/भूसा) जलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के नियमों का उल्लंघन ना करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फसल अवशेष जलाने से न केवल वायु प्रदूषण फैलता है, बल्कि मिट्टी की ऊपरी 15 सेमी परत में मौजूद लाभदायक सूक्ष्मजीवी भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उपजाऊ क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, 1 टन धान के अवशेष जलाने से लगभग 5.5 किलो नाइट्रोजन, 2.3 किलो फास्फोरस और 25 किलो पोटैशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के हित में फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। इसके विकल्प के रूप में 'हैप्पी सीडर' और 'जीरो सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल जैसे आधुनिक यंत्रों के उपयोग की सलाह दी गई है, जिससे बिना अवशेष जलाए भी अगली फसल की बुवाई संभव है।

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान अंतर्गत दुर्ग में तीन औषधि फर्मों को नोटिस

रायपुर। राज्य शासन द्वारा 11 मई 2026 तक सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत दुर्ग जिले की औषधि शाखा द्वारा जांच अभियान के तृतीय चरण में स्वापक एवं मन: प्रभावी औषधियों की जांच के तहत आज जिले में स्थित 06 फुटकर औषधि विक्रेताओं की जांच की गयी। फर्मों के क्रय-विक्रय दस्तावेज, स्वापक एवं मन:प्रभावी औषधियों की जांच किया गया। जिसमें 03 फर्मों में अनियमितता पाए जाने के कारण, कारण बताओं नोटिस जारी कर अग्रिम कार्यवाही को भेजा गया एवं समस्त फर्मों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियम 1945 का कड़ाई से पालन करते हुए फर्म संचालन के निर्देश दिये गए एवं भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

07 मई को ग्राम रोजगार दिवस

दुर्ग। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आगामी 07 मई को ग्राम रोजगार दिवस का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक माह की 7 तारीख को चावल महोत्सव, रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का संयुक्त आयोजन सुनिश्चित किया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी ग्राम पंचायतों में व्यापक जनभागीदारी के साथ इन कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनका उद्देश्य ग्रामीण विकास को गति देना एवं आमजन को योजनाओं से सीधे जोड़ना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाहः दुर्ग में 19 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, मंत्री यादव ने दिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला मुख्यालय दुर्ग के सिविल लाइन स्थित विवेकानंद भवन में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और नवदंपत्तियों को सुखद वैवाहिक जीवन का शुभाशीष दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 19 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह के बंधन में बंधे। शासन की ओर से नवविवाहितों को दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं, श्रृंगार सामग्री, पायल, बिछिया और हाथ घड़ी सेट भेंट किए गए। प्रत्येक वधू के बैंक खाते में 35,000 रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि यह योजना निर्धन परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समानता और सहयोग की भावना को प्रबल करते हैं। इससे न केवल फिजूलखर्ची और सामाजिक कुरीतियों पर लगाम लगती है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह पूरे सम्मान और गरिमा के साथ संपन्न होता है।

उन्होंने गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा संपन्न कराए गए संस्कारों की सराहना की और सफल आयोजन के लिए विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। कार्यक्रम में सभापति श्याम शर्मा, पार्षद कांशीराम कोसरे, कमल देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, साजन जोसफ अनिकेत यादव, सुमन वर्मा सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन ने समाज में सामूहिक उत्तरदायित्व का एक अनुपम उदाहरण पेश किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 9.96 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

विकसित कृषि संकल्प अभियान के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। उप मुख्यमंत्री अरुण साव सुशासन तिहार के तहत दुर्ग जिले के पाटन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान क्षेत्र के विकास को नई गति देने 9 करोड़ 96 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 5 करोड़ 8 लाख रुपए से अधिक के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 4 करोड़ 87 लाख रुपए से अधिक के कार्यों के लोकार्पण शामिल हैं। सांसद विजय बघेल भी सुशासन तिहार में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में विकसित कृषि संकल्प अभियान के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन 20 मई तक गांव-गांव में जाकर कृषि संबंधित नई तकनीकों एवं सरकार की योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों के साथ सीधा संवाद करेगा। उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को लोगों की शिकायतों एवं मांगों के तत्परतापूर्वक निराकरण के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में पाटन नगर पंचायत को विभिन्न योजनाओं में करीब 24 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इससे शहर के विकास को नई गति मिली है। सड़क, स्वच्छता, आवास और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार की अनेक योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 27 महीनों की राशि के भुगतान के साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेज गति से योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान कर रही है।

श्री साव ने स्वच्छता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में राज्य के सात निकायों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है जिसमें पाटन भी शामिल है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बिल्हा देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश स्वच्छ और सुंदर बने इसके लिए राज्य सरकार योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने नागरिकों से शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी गांवों और शहरों में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। दो सालों में 26 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं।

पाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी और मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

ऐतिहासिक जीत पर विधायक ललित चंद्राकर के निवास कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के निवास कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया। इस दौरान आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चंद्राकर ने इस जीत को कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और जन-जन के विश्वास की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, जो श्यामाप्रसाद मुखर्जी की कर्मभूमि रही है, वहां भाजपा की सफलता हर राष्ट्रभक्त के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपने 40 दिवसीय पश्चिम बंगाल प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि मंतेश्वर विधानसभा क्षेत्र में घर-घर संपर्क कर केंद्र सरकार की योजनाओं और नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल को जनता तक पहुंचाया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम चुनाव में देखने को मिला।

श्री चंद्राकर ने कहा कि असम में डबल इंजन सरकार के कार्यों पर जनता ने पुन: भरोसा जताया है, जबकि पुडुचेरी में भी भाजपा को समर्थन मिला है। उन्होंने इसे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र की जीत बताया और कहा कि यह जनादेश आने वाले राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य का संकेत है।

इस अवसर पर महापौर अल्का बाघमार सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

बीएमडीसी में समर्थः सेल में उभरती प्रौद्योगिकियों एवं डिजिटल परिवर्तन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) में समर्थ सेल में उभरती प्रौद्योगिकियों एवं डिजिटल परिवर्तन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन दिनांक 05 मई 2026 को किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों में डिजिटल क्षमताओं का विकास करना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रति उनकी समझ को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय ने स्वागत संबोधन देते हुए संगठनात्मक दक्षता में डिजिटल परिवर्तन की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम मॉड्यूल के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने तथा व्यावहारिक डिजिटल जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के दौरान सहायक महाप्रबंधक (आरएसएम) आर. के. पटेल एवं वरिष्ठ प्रबंधक (बीआरएम) शिव कुमार संकाय सदस्य के रूप में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके स्पष्ट एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रतिभागियों को विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझने तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने में सहायता मिल रही है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकें।

इस कार्यशाला में कुल 26 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम 31 मई 2026 तक मॉड्यूल की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। प्रतिभागी इस मंच का उपयोग अपनी शंकाओं के समाधान, पाठ्यक्रम की गहन समझ तथा अधिगम को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए करेंगे।

उद्घाटन सत्र का संचालन सुश्री पारुल वर्मा द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का समन्वय विकास सरीन द्वारा किया गया। यह पहल सेल द्वारा अपने कार्यबल में डिजिटल दक्षताओं को सुदृढ़ करने तथा सतत अधिगम की संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फिल्टर प्लांट में लीकेज का महापौर ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट में लीकेज की बड़ी समस्या उत्पन्न होने के कारण शहर के कई वार्डों में बीते शाम से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। उक्त समस्या के निराकरण हेतु मरम्मत कार्य लगातार जारी है।

मरम्मत कार्य की प्रगति का जायजा लेने महापौर श्रीमती अलका बाघमार आज प्रात: 7 बजे स्वयं फिल्टर प्लांट पहुंचीं। उन्होंने मौके पर काफी समय तक उपस्थित रहकर कार्य की स्थिति का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वॉल लीकेज की समस्या को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से दूर किया जाए, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द सुचारू पेयजल आपूर्ति मिल सके। उन्होंने कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल, जल कार्य प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर, काशीराम कोसरे, अरुण सिंह, श्रीमती सुरुचि उमरे, कार्यपालन अभियंता प्रकाश थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, इंजीनियर विनोद मांझी, मोहित मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने झालमुरी बांटकर जीत का जश्न मनाया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के गंजपारा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ झालमुरी बांटकर जीत का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे और एक-दूसरे को बधाई देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय जन-जन के विश्वास, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम एवं शीर्ष नेतृत्व के दूरदर्शी मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि देश की जनता द्वारा विकास, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का स्पष्ट संदेश है। मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में जो जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। यही कारण है कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में जनता भाजपा के प्रति अपना विश्वास प्रकट कर रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने परिवर्तन का जो संकल्प लिया है, वह आने वाले समय में राज्य को नई दिशा और विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस दौरान गंजपारा कार्यालय में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया, आतिशबाजी की और एक-दूसरे को झालमुरी और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

मंत्री यादव ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी से आगामी समय में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ जनसेवा में जुटे रहने का आह्वान किया।

माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं, अपने बच्चों को दें पूरा समयः जैन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न-6 के ट्रायल के दौरान वरिष्ठ पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने पालकों और उभरते फुटबॉलरों से संवाद किया। उन्होंने वर्तमान समय में बच्चों की परवरिश में सामने आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए पालकों को कुछ सुझाव भी दिए। उल्लेखनीय है कि यहां 2 और 3 मई 4 अलग-अलग सत्रों में सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में ट्रायल रखा गया था। जिसमें 200 से ज्यादा उभरते फुटबॉलरों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया।

ट्रायल के आखिरी दौर के बाद 3 मई की शाम पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन का संवाद सत्र रखा गया। उन्होंने इस दौरान समाज में खास तौर पर बच्चों के बीच बढ़ते स्क्रीन टाइम और डिजीटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता को बड़ी चुनौती बताया।

उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आज स्मार्ट फोन की लत के चलते मैदान के बजाए डिजीटल दुनिया में खेल खेला जा रहा है, जो हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि दूसरों को भी खेल के लिए प्रेरित करें। जैन ने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और उन्हें सुनने की कोशिश करें। क्योंकि किसी भी बच्चे के लिए माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं होता। जिस तरह किसी भी पौधे की शुरूआती अवस्था में सुरक्षा के लिए उसके चारों तरफसे घेरा लगाना जरूरी होता है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

सुशासन तिहार 2026: संवेदनशील पहल से समस्याओं का त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे गांव-गांव तक पहुंचाते हुए समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सरखों में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से जुड़े आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। शिविर में ग्राम बनारी निवासी मोहनलाल अपनी समस्या लेकर पहुंचे।

संजीवनी बनी मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना

रायपुर। जब सरकारी योजनाएं फाइलों की सीमाओं को लांघकर धरातल पर उतरती हैं, तो वे केवल आंकड़े नहीं बल्कि आम आदमी के जीवन में मुस्कान लेकर आती हैं। धमतरी जिले के ग्राम आलेखुटा (गटापार) निवासी मन्नू राम मनहरे के लिए 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026' कुछ ऐसी ही खुशियां लेकर आई है, जिसने उन्हें वर्षों पुराने आर्थिक बोझ से मुक्त कर दिया है। मन्नू राम के परिवार पर बिजली बिल का भारी बोझ था, जो उनके लिए एक बड़ी मानसिक चिंता का विषय बन गया था। योजना के तहत उन्हें राहत मिली मन्नू राम कुल बकाया राशि 21,540 रूपए जिसमें से कुल छूट (अधिभार सहित) 10,473 रूपए और 11,067 रूपए मात्र भुगतान करना पड़ा। मन्नू राम ने शासन द्वारा दी गई किस्तों की सुविधा का लाभ उठाते हुए 31 मार्च और 01 अप्रैल 2026 को शेष राशि जमा की और खुद को डिफॉल्टर की श्रेणी से बाहर निकाल लिया।

संवाद से समाधान: मुख्यमंत्री ने दूर की बिजली बिल की चिंता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय का 4 मई को सुदूर वनांचल ग्राम कमराखोल का दौरा आमजन के लिए राहत और विश्वास का संदेश लेकर आया। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम पेड़ के नीचे आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को आत्मीयता से सुना और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह दृश्य शासन और जनता के बीच विश्वास के मजबूत रिश्ते का जीवंत उदाहरण बन गया।

चौपाल के दौरान जब एक ग्रामीण ने बढ़ते बिजली बिल और बकाया राशि को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की, तो मुख्यमंत्री ने उसे बीच में ही आश्वस्त करते हुए कहा -परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपकी सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की बिजली बिल भुगतान समाधान योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है, जिसके तहत पुराने बकाया बिलों में व्यापक छूट प्रदान की जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि पंप धारकों को भी योजना का लाभ मिल रहा है, जबकि बीपीएल परिवारों के लिए विशेष रियायतों का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री साय की कार्यशैली केवल आश्वासन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने तत्काल कलेक्टर को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि कमराखोल सहित आसपास के गांवों के लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान उनके अपने गांव में ही हो सके।इस दौरान कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जानकारी दी कि जिले में अब तक 13 हजार से अधिक उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें कुल 11.75 करोड़ रुपये से अधिक की छूट प्रदान की जा चुकी है।

कमराखोल की इस चौपाल ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब शासन का नेतृत्व सीधे जनता से संवाद करता है, तो जटिल समस्याओं का समाधान भी सरल हो जाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल योजनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाने की प्रतिबद्धता का नाम है।

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री साय ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। साथ ही उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे घरेलू जरूरतों में सहयोग मिल रहा है।

सरलाबाई मरावी की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया।

सरलाबाई मरावी, पति लल्लूराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही यह बात सुनी, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और तुरंत निराकरण सुनिश्चित कराया। अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी। सरलाबाई ने यह भी बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे घरेलू खर्चों में सहारा मिलता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उन्हें महसूस हुआ कि सरकार वास्तव में गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनका समाधान कर रही है।

ग्राम सरोधी की यह घटना इस बात का सजीव प्रमाण है कि सुशासन तिहार केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में भरोसा और राहत लेकर आने वाली पहल बन चुका है।

भीषण गर्मी में राहत: सुखबासुपारा में नलकूप खनन से दूर हुई पेयजल समस्या, ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

रायपुर। प्रदेश में बढ़ती भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड अंतर्गत ग्राम सपघरा के सुखबासुपारा में नलकूप खनन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के ग्रामीणों ने सीएम कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन देकर पेयजल समस्या के समाधान की मांग की थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नलकूप खनन कराया, जिससे अब ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल गई है। नलकूप शुरू होने के साथ ही गांव में खुशी का माहौल है। अब लोगों को पानी के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने इस त्वरित पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रशासन का आभार जताते हुए इसे भीषण गर्मी के बीच बड़ी सौगात बताया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पत्थलगांव, कुनकुरी सड़क मरम्मत में आई तेजी

राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता को मरम्मत होने तक कुनकुरी में मुख्यालय स्थापित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सख्त निर्देश के बाद पत्थलगांव से कुनकुरी के बीच अपूर्ण सड़क भाग के मरम्मत कार्य में अब आई तेजी। विगत दिवस बलरामपुर में आयोजित सरगुजा संभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सड़क की खराब स्थिति और मरम्मत में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि अपूर्ण सड़क के कारण आमजन को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए इस मार्ग का शीघ्र सुधार अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई शुरू करते हुए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता में रखा गया है।

शासन के प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी पत्र अनुसार पत्थलगांवङ्कुनकुरी मार्ग के अपूर्ण भाग के मरम्मत हेतु पूर्व में प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मरम्मत कार्य को जोनल एजेंसी के माध्यम से शीघ्र शुरू किया जाएगा। यदि जोनल एजेंसी उपलब्ध नहीं होती है, तो संबंधित संभागों के प्रचलित अनुबंध के अंतर्गत भी कार्य संपादित किया जा सकेगा।

इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता अंबिकापुर को निर्देशित किया गया है कि वे मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक अपना मुख्यालय कुनकुरी में स्थापित करें, ताकि कार्यों की सतत निगरानी और त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न हो। मुख्यमंत्री साय ने इस कार्य को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि सड़क मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस पहल से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि बरसात के दौरान संभावित बाधाओं से भी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद तेज हुई यह कार्रवाई क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी और लंबे समय से लंबित इस सड़क सुधार कार्य को अब गति मिल रही है ।

मेहनत की चमक और सरकारी संबल : श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप संवार रही अपना भविष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। राज्य शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत हो उठा है।

बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक, नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत से सफलता का नया अध्याय लिखा है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है। वर्तमान में डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययनरत है और उसे कक्षा बारहवीं तक की पूरी शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

इस उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल है। मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। डिंपल कश्यप के पिता नंदकिशोर कश्यप ने कहा कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। हम दिन-रात मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि बच्चों का भविष्य हमारे संघर्षपूर्ण जीवन से बेहतर हो सके। सरकार की योजना ने हमारे धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं। ग्राम बिलौरी-2 की गलियों से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर उन सभी परिवारों के लिए मिसाल है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। कश्यप दंपत्ति आज न केवल गौरवान्वित हैं, बल्कि उन्हें विश्वास है कि उनकी बेटी सफलता के उस आसमान को छुएगी जिसकी उन्होंने कभी कल्पना की थी।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026' का शंखनाद

किसान रथों के जरिए खेतों तक पहुँचेगी आधुनिक तकनीक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि परिदृश्य को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। खरीफसीजन 2026 की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से धमतरी जिले में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। इस विशेष अभियान के तहत तकनीक और जागरूकता का संदेश लेकर निकलने वाले 'किसान रथ' को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस अभियान का लक्ष्य उन्नत कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ किसानों तक पहुँचाना है।

यह सघन जागरूकता अभियान 05 मई से 20 मई 2026 तक संचालित होगा। जिले के चार प्रमुख विकासखंडों— धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी के चयनित 96 ग्रामों को इस अभियान के दायरे में लाया गया है। अभियान के पहले दिन पुरी, बिजनापुरी, दहदहा और पथर्रीडीह जैसे गाँवों में रथ का जोरदार स्वागत हुआ, जहाँ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सरपंचों ने किसानों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया।

किसानों की आय दोगुनी करने और खेती की लागत घटाने के लिए प्रत्येक विकासखंड में दो-दो तकनीकी दलों का गठन किया गया है। ये दल गाँवों में पहुंचकर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव,मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक और हरी खाद का उपयोग,स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा और फसल चक्र परिवर्तन, दलहन आत्मनिर्भरता और ऑयल पॉम मिशन की जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इस अभियान के दौरान किसान रथ केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं के सेतु के रूप में कार्य करेगा।

तकनीकी दल किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और एग्रीस्टेक परियोजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराएंगे। साथ ही, प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति भी कृषकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जिला प्रशासन के अनुसार, इस अभियान का मूल मंत्र किसानों को पारंपरिक कृषि की सीमाओं से निकालकर 'लाभकारी एवं टिकाऊ कृषि' की ओर ले जाना है। अधिकारियों का विश्वास है कि विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026 न केवल तकनीकी ज्ञान का प्रसार करेगा, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाजा

फिल्म की स्क्रीनिंग में लूट ली महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है। हाल ही में वो मुंबई में द डेविल वेयर्स प्राडा 2 की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है।

कियारा का रेड बॉडी-हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है। ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं। उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं।

हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है। कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है। उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं। ये एक्सेसरीज़ उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं। कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं। हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है। बता दें कि कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल ग्रोन अप्स में नजर आएंगी।

ये फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, हालांकि मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है। अभी इसकी दूसरी तारीख सामने नहीं आई है। इस फिल्म में उनके साथ यश, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसी कलाकार दिखाई देंगी।

राम चरण की पेड्डी में शामिल हुई श्रुति हासन, डांस नंबर से जीतेंगी जनता का दिल

सुपरस्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी का टीजर पहले ही फैंस की उत्सुकता को बढ़ा चुका है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह 4 जून को सिनेमाघरों में आएगी। ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रुति हासन को शामिल कर लिया गया है और उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। हालांकि श्रुति किसी किरदार के लिए नहीं, बल्कि हाई-एनर्जी डांस नंबर के लिए फिल्म का हिस्सा बनी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रुति को फिल्म वाराणसी के लिए संपर्क किए जाने की खबरों के बाद इस परियोजना में शामिल किया गया है, जो भारतीय सिनेमा में उनकी बढ़ती मांग और उपस्थिति को और दर्शाता है।

अभिनेत्री गाने की शूटिंग कर रही हैं, जिससे पेड्डी में एक और रोमांचक तत्व जुड़ जाएगा। पहले से फिल्म के अन्य गाने चिकरी चिकरी और राय राय रा रा, अपने जोशीले संगीत और शानदार डांस के जरिए यूट्यूब पर धमाल मचा चुके हैं।

बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेड्डी, राम चरण की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इसकी कहानी 1980 के दशक के ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें अभिनेता एक पहलवान के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनकी जोड़ीदार के तौर पर जाह्नवी कपूर नजर आएंगी।

वहीं शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में संगीत आस्कर विजेता एआर रहमान द्वारा दिया गया है।

जाह्नवी कपूर की फिल्म लग जा गले के लिए करना होगा लंबा इंतजार क्या है वजह?

धर्मा प्रोडक्शन की आगामी फिल्म लग जा गले लंबे समय से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म में जाह्नवी कपूर, टाइगर श्रॉफऔर लक्ष्य लालवानी, यह तीनों कलाकार मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फैंस जहां इस रिवेंज एक्शन ड्रामा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं ताजा अपडेट है कि इसकी शूटिंग को आगे खिसकाने का फैसला लिया गया है। इसके पीछे का कारण लक्ष्य के लुक में बदलाव को बताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से लग जा गले की शूटिंग अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। सूत्र ने बताया कि चांद मेरा दिल में लक्ष्य का लुक सौम्य था, जबकि आगामी फिल्म लग जा गले के लिए उन्हें रफ एंड टफ अवतार अपनाना पड़ा, जिसके लिए उन्हें अपने बाल बढ़ाने पड़ेंगे, इसी कारण शूटिंग में देरी हो रही है। बता दें, अनन्या पांडे के साथ उनकी फिल्म चांद मेरा दिल 22 मई को रिलीज होगी। सूत्र ने बताया कि फिल्म लग जा गले में, लक्ष्य को अपने लुक में बदलाव करना होगा। उन्हें अपने बाल बढ़ाने होंगे और फिर एक्शन फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करनी होगी। यह पहला मौका होगा जब टाइगर के साथ लक्ष्य को स्क्रीन साझा करते हुए देखा जाएगा। उनके किरदारों के बीच का टकराव फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा। चूंकि जाह्नवी भी इसका हिस्सा हैं, जिससे कहानी लव ट्रायएंगल के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई दे सकती है।

46 की उम्र में उर्वशी ढोलकिया का ग्लैमरस अंदाज ब्लैक बिकिनी पहन बीच के किनारे दिए पोज

उर्वशी ढोलकिया भले ही इन दिनों छोटे पर्दे से दूर हों, लेकिन सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का ध्यान खींचा, जहां वो बिकिनी में कॉन्फिडेंट होकर पोज देती नजर आईं।

उर्वशी ढोलकिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही ग्लैमरस लुक में दिखी। इन फोटोज में उर्वशी ब्लैक एंड रेड बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। शॉर्ट हेयर्स

सटल मेकअप में वो बला की हसीन दिख रही हैं। उर्वशी ने बिकिनी पहन अपने कातिलाना अंदाज से इंटरनेट पर कहर ढा दिया है, उनकी ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। कमेंट सेक्शन में हर कोई उनकी तारीफ करता दिखा। एक फैन ने लिखा, आप आज भी वैसी ही दिखती हैं।

बता दें, एक्ट्रेस ने 6 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर शुरू किया था। 2001 में शो कसौटी जिंदगी की में विलेन कोमोलिका बसु का किरदार निभाकर वो घर-घर में मशहूर हो गईं। उर्वशी दो जुड़वा बेटों की मां हैं। लेकिन 46 की उम्र में भी वो अपनी फिटनेस से कई यंग एक्ट्रेस को मात दे देती हैं।

राजा शिवाजी में बड़ी बेगम के लिए विद्या बालन नहीं, अभिनेत्री तब्बू पहली पसंद

रितेश देशमुख द्वारा अभिनीत और निर्देशित पीरियड ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी सिनेमाघरों में गदर काट रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म में, विद्या बालन ने बीजापुर के सुल्तान मोहम्मद आदिल शाह की पत्नी बड़ी बेगम का किरदार निभाया है। हर बार की तरह अभिनेत्री अपने इस किरदार से भी दर्शकों की वाहवाही लूट रही हैं। ताजा जानकारी में पता चला है कि विद्या बड़ी बेगम के किरदार के लिए निर्माताओं की पहली पसंद नहीं थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ताजुल मुखिदरात बड़ी साहिबा उर्फ बड़ी बेगम की भूमिका के लिए सबसे पहले तब्बू को प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि तारीखों की समस्या के कारण उन्होंने प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके बाद रितेश ने विद्या से संपर्क किया तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। ट्रेलर लॉन्च पर विद्या ने स्वीकारा भी था कि वह इतनी चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का मौका नहीं छोड़ेंगी, खासकर जब फिल्म हिंदी और मराठी में रिलीज हो रही है।

फिल्म में रितेश ने मराठा साम्राज्य और स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाया है। उनके अलावा जेनेलिया डिसूजा, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान और भाग्यश्री जैसे सितारे इसका हिस्सा हैं। सलमान खान ने फिल्म में छोटा सा कैमियो करते हुए चार चांद लगा दिया है। फैंस उनकी उपस्थिति से काफी खुश हैं। फिल्म हिंदवी स्वराज्य की स्थापना के लिए क्रूर अफजल खान के साथ छत्रपति के ऐतिहासिक संघर्ष पर आधारित है।

क्या व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए? जानिए सच्चाई

व्यायाम करते समय पानी पीने की आदत को लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां हैं। कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम के दौरान पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है, जबकि कुछ इसे जरूरी मानते हैं। इस लेख में हम इन धारणाओं की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए या नहीं, साथ ही इसके पीछे के कारणों पर भी चर्चा करेंगे।

व्यायाम करते समय पानी पीने का महत्व

व्यायाम करते समय पानी पीना बहुत जरूरी है। जब हम व्यायाम करते हैं, तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ जाता है और हम पसीना बहाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। पानी पीने से शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है और पसीने के कारण खोया हुआ पानी वापस मिलता है। इसके अलावा, यह शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

पाचन तंत्र पर असर

कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम करते समय पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है। हालांकि, यह सही नहीं है। अगर आप हल्का या मध्यम व्यायाम कर रहे हैं, तो थोड़ी मात्रा में पानी पीना सुरक्षित होता है। इससे खाने-पचाने की प्रक्रिया पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। बल्कि यह आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है।

प्यास लगने पर ही पानी पिएं

प्यास लगने पर ही पानी पीना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप प्यास लगने से पहले ही पानी पी लें। व्यायाम करते समय शरीर को जब पानी की जरूरत होती है, तो उसे संकेत मिलते रहते हैं। अगर आपको प्यास लग रही है, तो थोड़ा-थोड़ा पानी पी लें। इससे आपका शरीर हाइड्रेटेड रहेगा और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकेंगे।

अत्यधिक पानी पीने से बचें

व्यायाम करते समय बहुत ज्यादा पानी पीना भी नुकसानदायक हो सकता है। इससे शरीर में जरूरी खनिजों का संतुलन बिगड़ सकता है, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। इसलिए व्यायाम करते समय संतुलित मात्रा में ही पानी पिएं। सामान्यत: व्यायाम करते समय हल्का या मध्यम मात्रा में पानी पीना पर्याप्त होता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकते हैं।

व्यक्तिगत जरूरतों पर ध्यान दें

हर व्यक्ति की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए अपनी शारीरिक स्थिति और जरूरतों के अनुसार ही पानी का सेवन करें। अगर आप अधिक पसीना बहाते हैं या अधिक मेहनती व्यायाम करते हैं, तो आपको अधिक मात्रा में पानी की जरूरत हो सकती है। इसके अलावा गर्म मौसम में भी अधिक पानी पीने की जरूरत होती है। इस प्रकार व्यायाम करते समय पानी पीने को लेकर फैली गलत धारणाओं को समझना जरूरी है, ताकि हम सही निर्णय ले सकें।

खास खबर

बलौदा बाजार जिले की 4 स्वास्थ्य संस्थाएं हुईं एनक्यूएएस प्रमाणित

रायपुर। बलौदाबाजार जिले में स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में एक बार पुनः प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है । इस बार आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहरा 94.16 मोहभट्ठा 92.61सकलोर 95.36 प्रतिशत के साथ एनक्यूएएस प्रमाणित हुआ जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दतान को 88.59 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं । इसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को 12 सेवाओं तथा पीएचसी को 6 विभागों हेतु प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि एनक्यूएएस निरीक्षण में सेवा प्रावधान, मरीजों के अधिकार, बुनियादी ढांचा, नैदानिक सेवाएं और संक्रमण नियंत्रण जैसे प्रमुख क्षेत्रों का मूल्यांकन किया जाता है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले केंद्रों को प्रमाण पत्र और प्रोत्साहन मिलता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ती है। जिले में अब तक कुल 54 संस्थाएं इस प्रमाण पत्र को प्राप्त कर चुकी हैं।

गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासनः कांसाबेल के खूंटीटोली में लगा जिला स्तरीय सुशासन शिविर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज कांसाबेल विकासखंड के ग्राम खूंटीटोली में जिला स्तरीय सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं मांगें रखीं। मौके पर लगाए गए शासकीय स्टॉलों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ भी प्रदान किया गया। इस शिविर में टांगरगांव, हथगड़ा, बरजोर, नरियरडांड, पुसरा, फरसाजुड़वाईन, खूंटीटोली, चेटबा, सूजीबहार, ढुढरूडांड, जुमईकेला, छेराघोघरा और केनाडांड सहित कई गांवों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का समाधान उनके गांव के निकट ही किया जाए। इसी उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का तत्काल परीक्षण किया जाए। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तुरंत निराकृत किया जाए तथा शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र भेजा जाए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ लेने आए प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पात्रता के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में देने और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। स्व-सहायता समूह, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ने की अपील की।

सुदूर वनांचल क्षेत्र बारहपानी गांव तक पहाड़ों के बीच पहुंची पक्की सड़क

अब चिल्फी - कवर्धा की दूरी हुई आसान, सड़क ने बदली गांव की पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल और पहाड़ी क्षेत्रों में बसे गांव, जो कभी विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे, आज तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। कठिन परिस्थितियों के कारण यहां के ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री जनमन योजना से इन गांवों की तस्वीर बदल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा के सतत प्रयासों से पहाड़ों की घाट कटिंग कर सुदूर वनांचल क्षेत्रों तक पक्की सड़कों का निर्माण किया गया है। कवर्धा विधानसभा अंतर्गत संभूपीपर से बरहापानी तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है, जिसकी कुल लागत 3.89 करोड़ रुपए है। बारहपानी गांव, जिसकी कुल जनसंख्या 231 है, इस सड़क निर्माण के बाद अब विकास की गति प्राप्त कर रहा है।

यह सड़क न केवल आवागमन का माध्यम बनी है, बल्कि गांव के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास की आधारशिला भी साबित हो रही है। संभूपीपर से बरहापानी तक सड़क निर्माण होने से क्षेत्र के लोगों के जीवन में बदलाव आया है।

पहले जहां ग्रामीणों को बरसात के दिनों में पहाड़ी पगडंडियों से गुजरना पड़ता था, वहीं अब वे आसानी से वाहनों के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं। सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि स्थानीय स्तर पर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। अब किसान अपनी उपज को बाजार तक आसानी से पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही, क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। बरहापानी के निवासी गौतर बताते हैं कि पहले उनके गांव तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं थी। संभूपीपर से बरहापानी तक सड़ बन जाने से वाहन पहुंचने लगे हैं और चिल्फी व कवर्धा जैसे प्रमुख स्थानों तक जाना बेहद आसान हो गया है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क उनके जीवन में एक नई उम्मीद लेकर आई है।

इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि इस प्रकार के कार्यों का उद्देश्य सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ना है, ताकि वहां के निवासियों को सुविधाएं मिल सकें। प्रधानमंत्री जनमन योजना और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से आज कबीरधाम के वनांचल क्षेत्रों में विकास की नई राह खुल रही है।

बस्तर के विकास को रफ्तार - मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने कोंडागांव जिले में विकास की नई इबारत लिखते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 38 करोड़ 37 लाख की लागत वाले विभिन्न सड़क कार्यों का भूमिपूजन किया। फेज-4 के अंतर्गत बनने वाली ये सड़कें जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी।

38.37 करोड़ रूपए की लागत से ग्राम खड़पड़ी, मटवाल, कुधूर, खोड़सानार, लखापुरी, नहकानार और छोटेउसरी जैसे गांवों में कुल 11 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। प्रमुख रूप से ग्राम लखापुरी से एहरा तक 7 किमी की सड़क 685.89 लाख रुपए की लागत से और ग्राम मटवाल में वेतबेड़ा रोड से ढोलमांदरी तक 5.50 किमी लंबी सड़क लागत 503.36 लाख रुपए की लागत से सड़क का निर्माण किया जाएगा।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर अब माओवाद के काले साये से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। उन्होंने छोटेउसरी में पुरानी यादों को साझा करते हुए बताया कि जो क्षेत्र कभी असुरक्षित माने जाते थे, वहां अब पक्की सड़कों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की पहुंच आसान हो रही है।

ग्राम मटवाल में मंत्री कश्यप ने लखपति दीदी वैदयी से मुलाकात की और उनकी आत्मनिर्भरता की सराहना की। उन्होंने अन्य महिलाओं को भी महतारी वंदन योजना का लाभ उठाने और गौ-पालन व मुर्गी पालन जैसे आजीविका के साधनों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

इन सड़कों के बनने से कोंडागांव के सुदूर ग्रामीण अंचल मुख्य मार्गों से जुड़ जाएंगे। इससे न केवल ग्रामीणों का आवागमन आसान होगा, बल्कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और आपातकालीन सेवाओं का लाभ अंतिम छोर तक तेजी से पहुंच सकेगा।

मोहला में जनगणना में उत्कृष्ट कार्य पर प्रगणक-पर्यवेक्षकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले में जनगणना कार्य के अंतर्गत संचालित मकान सूचीकरण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति द्वारा सम्मानित किया गया। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई।

बैठक में खड़गांव ग्रामीण के पर्यवेक्षक रमेश सोरी एवं औंधी ग्रामीण के पर्यवेक्षक शिवेन्द्र सिंह सोरी एवं नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी की पर्यवेक्षक श्रीमती संध्या यादव को उनके कुशल नेतृत्व में समय-सीमा के भीतर कार्य संपादन के लिए सराहा गया। खड़गांव ग्रामीण क्षेत्र के प्रगणक शिवदयाल तारम, औंधी ग्रामीण के प्रगणक टेकन सिंह जंघेल, नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी के प्रगणक तोमन आंचले का भी सम्मान हुआ।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे बीजापुर से राजमिस्त्री बने रमेश पासपुल, आत्मनिर्भरता की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनपद पंचायत बीजापुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत संतोषपुर, जो कभी लंबे समय तक नक्सल प्रभाव से प्रभावित रहा, आज बदलाव और विकास की नई पहचान बनता जा रहा है। ''नियद नेल्लनार योजना'' के शुरू होने के बाद गांव में बुनियादी सुविधाओं और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इस बदलाव की कहानी के केंद्र हैं संतोषपुर निवासी श्री रमेश पासपुल। कभी स्थायी रोजगार के अभाव में आर्थिक तंगी से जूझ रहे रमेश का जीवन आज पूरी तरह बदल चुका है। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच आय का कोई निश्चित साधन न होने से उनका भविष्य अनिश्चित नजर आता था। परिस्थितियां तब बदलीं जब ''नियद नेल्लनार योजना'' के तहत उन्हें राजमिस्त्री (मेसन) का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की बारीकियों, तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल में दक्षता हासिल की। यह प्रशिक्षण उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

प्रशिक्षण के बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 में रमेश को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली। पहली किश्त प्राप्त होते ही उन्होंने अपने घर का निर्माण स्वयं शुरू किया और निर्धारित समय-सीमा में इसे पूरा कर लिया। उनके कार्य की गुणवत्ता देखकर गांव के अन्य हितग्राहियों ने भी अपने-अपने आवास निर्माण के लिए उन्हें बुलाने लगे।

माओवादियों का गढ़ रहे तर्रेम बना स्वास्थ्य मॉडल : राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन हासिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विकासखंड उसूर का अतिसंवेदनशील ग्राम तर्रेम, जो कभी माओवादी प्रभाव के कारण पिछड़े क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर स्थित ग्राम तर्रेम में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते लोगों का भरोसा तेजी से बढ़ा है।

राज्य सरकार की पहल से क्षेत्र में पहुंच आसान हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव हुआ। आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम में प्रतिदिन 25 से 30 मरीजों की ओपीडी, सुरक्षित प्रसव सेवाएं तथा लैब जांच की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं के प्रभावी संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के नेतृत्व में आकांक्षी विकासखंड उसूर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणन प्राप्त हुआ है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 फरवरी 2026 से वर्चुअल मूल्यांकन किया गया जिसमें 12 सेवाओं के आधार पर कुल 88.19: अंक प्राप्त हुए। मूल्यांकन के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ सीएचओ, आरएचओ महिला एवं पुरुष से राष्ट्रीय कार्यक्रमों और ग्रामीणों को दी जा रही सेवाओं पर विस्तार से जानकारी ली गई, जिसमें सभी कर्मी सफल रहे। इस उपलब्धि में जिला कार्यक्रम प्रबंधक वरुण साहू, नर्सिंग ऑफिसर मानसी ताटपल्ली, डाटा प्रबंधक निरंजन भोई सहित समस्त स्वास्थ्य स्टाफ सीएचओ, आरएचओ, एएनएम एवं मितानिनों का विशेष योगदान रहा।

बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावनाः ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पूना मारगेम से जुड़े साथियों की भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की।श्री चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे तो माँ लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगी, आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बस्तर की पूर्व परिस्थितियों और दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभवों का भी उल्लेख किया, जिससे उपस्थित युवाओं को प्रेरणा मिली। विश्व विद्यालय द्वारा बस्तर के युवाओं हेतु नवाचार के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की भी उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार परिवारों का विस्तृत डिजिटल सर्वे कार्य पारदर्शिता के साथ पूर्ण किया गया। इस सर्वे के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर अब जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (दिल्ली) इन परिवारों के उत्थान के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जाएगी। जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया जा सके।

सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले के तीन प्रमुख विकासखंडों महासमुंद, बागबाहरा और पिथौरा में कमार जनजाति की कुल परिवार लगभग 940 है तथा कुल जनसंख्या 3350 है।

सर्वे के दौरान जिले के समस्त कमार परिवारों से सीधे संवाद कर उनके महत्वपूर्ण दस्तावेजों और वर्तमान स्थिति की जानकारी ऐप के माध्यम से एकत्र की गई। इस दौरान कमार परिवारों ने बेझिझक परिवार की जानकारी साझा की। जिसमें मुख्य रूप से आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता, शासकीय योजनाएं आयुष्मान आरोग्य कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, जॉब कार्ड एवं अन्य विवरण जाति प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता और आजीविका के साधन शामिल है।

सर्वे कार्य के लिए जिम्मेदारी ग्राम स्तरीय दलों को सौंपी गई थी, जिसमें पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, छात्रावास अधीक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन और बीट गार्ड जैसे कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं तकनीकी प्रशिक्षण और सर्वेक्षण दलों की मदद की जिम्मेदारी विभाग के नीलेश खांडे द्वारा निभाई गई।

खास खबर

गर्लफ्रेंड का गर्भपात कराया, पिता-पुत्र गिरफ्तार

बिलासपुर। बिल्हा क्षेत्र में दुष्कर्म और गर्भपात से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक और उसके पिता को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पीड़िता ने 3 मई को थाना बिल्हा में उपस्थित होकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। आरोपी बलराम साहू (25 वर्ष) निवासी मुढीपार सम्बलपुरी ने उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसे गर्भपात की दवा खिलाकर जबरन गर्भपात करा दिया.। इतना ही नहीं, आरोपी अपने पिता रमेश कुमार साहू (46 वर्ष) के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें अपराध की पुष्टि होने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

नकली एवरेस्ट मसालों पर संदेह, लाखों का माल जब्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ का बिलासपुर जिला धीरे-धीरे नकली उत्पादों के कारोबार का केंद्र बनता जा रहा है। खाद्य विभाग की टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के कथित नकली मसालों का जखीरा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, एवरेस्ट कंपनी की शिकायत के बाद खाद्य विभाग ने व्यापार विहार स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। यह गोदाम श्री बालाजी कार्गो मूवर्स का बताया जा रहा है। छापेमारी के दौरान यहां से बड़ी मात्रा में एवरेस्ट ब्रांड के संदिग्ध मसाले जब्त किए गए, जिनके नकली होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को बुलाकर मसालों के सैंपल लिए गए और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। वहीं संबंधित मूवर्स कंपनी का कहना है कि यह मसाला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनके गोदाम में रखा गया था। हालांकि अधिकारियों ने इस दावे की भी जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

मामूली विवाद बना जानलेवा हत्या के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ घंटों के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक जगदीश प्रजापति 29 अप्रैल को अपनी पत्नी और डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ रिश्तेदारी में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने खरखोद गांव आया था। देर रात वह शराब के नशे में अपनी पत्नी और बच्चे से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर वह घर छोड़कर गांव में ही कहीं और जाकर सो गया। अगले दिन से उसका कोई पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका सुराग नहीं मिला, तो 3 मई को गांव में एक घर के पीछे दीवार के पास उसका शव संदिग्ध अवस्था में बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की और शव का पोस्टमार्टम कराया। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पामगढ़ थाना में अपराध क्रमांक 191/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी के नेतृत्व में पामगढ़ पुलिस ने आरोपी देसाई कुम्हार (42 वर्ष) निवासी खरखोद और रामनारायण प्रजापति (44 वर्ष) निवासी ठाकुरदेवा चौकी मल्हार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने गला दबाकर, डंडे और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर हत्या करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर 5 मई 2026 को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

ज्वैलर्स के मैनेजर से 1 करोड़ की लूट: तलवार से किया हमला, जेवरात से भरा बैग छीनकर भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में सराफा कारोबारी के कर्मचारी से करीब 1 करोड़ की लूट हुई है। बाइक सवार लुटेरों ने तलवार से हमला कर सोने-चांदी से भरा बैग छीनकर भाग निकले। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं पुलिस केस दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित का नाम टीकाराम शर्मा है, जो ज्वेलरी शॉप में मैनेजर है। वह एक ब्रांच से जेवरात लेकर दूसरे ब्रांच जा रहा था। आंधी-तूफान की वजह से वह रुका हुआ था, तभी बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

महावीर ज्वैलर्स का मैनेजर है पीड़ित

दरअसल, खरोरा इलाके में 'महावीर ज्वैलर्स' के नाम से सराफा दुकान संचालित है, जिसका संचालन जैन परिवार करता है। इस क्षेत्र में महावीर ज्वैलर्स की दो दुकानें हैं। यहां मैनेजर के रूप में टीकाराम शर्मा काम करते हैं। मंगलवार शाम टीकाराम शर्मा ब्रांच से जेवरात लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे आंधी-बारिश के

कारण वो तिल्दाडीह मोड़ के पास रुक गए। पानी रुकने पर जैसे ही वे आगे बढ़े, तभी बाइक सवार आरोपियों ने उनके सिर पर तलवार से वार कर दिया। मैनेजर कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आरोपी बैग लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की जानकारी महावीर ज्वैलर्स के प्रबंधन को दी। पीड़ित के अनुसार बाइक सवार युवकों ने उस पर तलवार से हमला किया। हमले के बाद आरोपी बैग छीनकर फरार हो गए। आरोपियों की संख्या दो से तीन के बीच बताई जा रही है। वहीं हमले में घायल मैनेजर को इलाज के लिए पास अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही खरोरा थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

मामले में खरोरा थाना पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। शुरुआती जांच में लूट की यह वारदात प्लानिंग के तहत लग रही है, क्योंकि बदमाशों को पीड़ित के रूट और समय की पहले से जानकारी थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है।

कलेक्ट्रेट की मल्टीलेवल-पार्किंग में अवैध वसूली

निगम ने टेंडर नहीं दिया, निजी लोग काट रहे रसीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में अवैध वसूली, शराबखोरी और संदिग्ध गतिविधियों का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद सोमवार को रायपुर नगर निगम के उड़नदस्ता और पुलिस टीम ने संयुक्त छापेमारी की। जांच में पता चला कि निगम ने इस पार्किंग के लिए कोई वैध टेंडर जारी नहीं किया था।

इसके बावजूद अवैध तरीके से पार्किंग संचालित किया जा रहा था। निगम कर्मचारियों की बजाय निजी लोगों को पार्किंग वसूली करते पाया गया। पुलिस ने सामग्री जब्त कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतें सही मिलने पर पार्किंग में कार्यरत निगम के 4 कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है।

संचालन कर रहा निगम, लेकिन वसूली निजी लोग कर रहे

पार्किंग के लिए अभी तक टेंडर जारी नहीं हुआ है, इसलिए संचालन निगम के पास है। तीन महीने पहले ही यहां शुल्क वसूली शुरू हुई है। इसके बाद अवैध वसूली बढ़ी है। बिना सीरियल नंबर और सील की पर्चियां देकर पैसा लिया जा रहा है। जबकि

कुछ मामलों में क्यूआर कोड से व्यक्तिगत खातों में भुगतान लिया जा रहा है। इन सभी पहलुओं की जांच निगम के अधिकारी कर रहे हैं।

पूर्व ठेकेदार शोएब के नाम पर बिना सील मुहर के आर्म्स लाइसेंस मिले

कलेक्टोरेट मल्टीलेवल पार्किंग में मिली शिकायतों के बाद जब निगम की टीम वहां पहुंची, तो अवैध पार्किंग वसूली से संबंधित कई दस्तावेज मिले। इसमें ठेकेदार मोहम्मद शोएब के नाम की मासिक पास पर्ची और आर्म्स लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज मिले हैं।

आर्म्स लाइसेंस के दस्तावेज में किसी तरह की मुहर भी नहीं लगी थी। पुलिस की टीम ने आर्म्स लाइसेंस को जब्त कर लिया है और लाइसेंस के संबंध में जांच की जा रही है।

गाड़ी पार्किंग पर लगाने आए वीके तिवारी ने बताया कि, पार्किंग का 10 रुपए लिया जा रहा है। मैंने कहा कि यहां पार्किंग फ्री है, तब काम करने वाले लड़कों ने कहा कि पार्किंग का पैसा लिया जा रहा है और देना होगा। तिवारी ने कहा कि हम अपने काम से आते हैं, इसलिए बहस नहीं करते पार्किंग के रुपए दे देते हैं।

वहीं, इरफान ने बताया कि पहले जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर पहले पार्किंग फ्री थी। कोई शुल्क नहीं देना पड़ता था। लेकिन अभी कार पार्किंग का 20 रुपए लिया जा रहा है।

विवादों में रहा है कलेक्ट्रेट मल्टीलेवल पार्किंग

जानकारी के अनुसार, पहले भी कलेक्ट्रेट मल्टीलेवल पार्किंग विवादों में रहा है। यहां बकरा काटने के साथ अवैध गतिविधियां संचालित करने का मामला सामने आया था। रोजाना शराबखोरी और अव्यवस्था की शिकायतें सामने आ रही हैं।

यहां बदमाश युवा बेखौफ होकर शराब पी रहे हैं और देर रात वाहन खड़ा करने आने वालों से विवाद भी कर रहे हैं। अवैध रूप से पार्किंग वसूली कर रहे थे। जांच के दौरान पता चला कि अवैध कमाई के लिए निगम की बिना सीरियल नंबर और सील के पर्ची देकर लोगों से वसूली की जा रही है।

क्रेडिट कार्ड का ऑफर देकर युवती से 1 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। एक युवती ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई। ठग ने खुद को बैंक अफसर बनकर उसे क्रेडिट कार्ड का ऑफ बताया। जिसके बाद पे-जैप ऐप डाउनलोड कराकर एक लाख 5 हजार रुपए ट्रांजेक्शन कर लिए। युवती की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मुंगेली नाका में रहनी वाली 26 वर्षीय युवती प्राइवेट जॉब करती है। उसने थाने में ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि 17 मार्च को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को एचडीएफसी बैंक का अफसर बताया। इस दौरान कथित बैंक अफसर ने क्रेडिट कार्ड ऑफर की जानकारी दी। जिसके बाद युवती को पे-जैप ऐप डाउनलोड करने कहा। इसके बाद कथित बैंक अफसर ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट सेट करने का झांसा दिया और युवती के मोबाइल पर आए ओटीपी मांग लिया।।

युवती ने जेसे ही ओटीपी साझा की, उसके क्रेडिट कार्ड से दो दिन के भीतर अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर लिए। शिकायत के अनुसार, 16 और 17 मार्च को 49,416 रुपए और 55,593 रुपए की राशि निकाल ली गई।

युवती को घटना की जानकारी तब हुई, जब उनके क्रेडिट कार्ड से संबंधित ट्रांजेक्शन का मैसेज मिला। युवती ने बताया कि कॉल करने वाले ने खुद का नाम राकेश मित्तल बताया और अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क किया था। ठगी में उपयोग किए गए कार्ड का विवरण भी पुलिस को सौंप दिया गया है। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां ठगों ने रामकृष्ण अस्पताल के एमडी डॉ. संदीप दवे के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों से पैसे मांगने की कोशिश की। मामले की जानकारी मिलते ही डॉ. दवे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर टिकरापारा थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. दवे के अनुसार, ठग उनके नाम और पहचान का दुरुपयोग करते हुए लोगों को मैसेज भेज रहे हैं।

इसमें खुद को डॉक्टर बताते हुए किसी आपात स्थिति का हवाला देकर आर्थिक मदद मांगी जा रही है। इससे न केवल लोगों के ठगी का शिकार होने का खतरा बढ़ गया है, बल्कि उनकी व्यक्तिगत और संस्थान की साख पर भी असर पड़ सकता है।

बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब उनके नाम का दुरुपयोग किया गया हो। इससे पहले भी इसी तरह की घटना सामने आ चुकी है, जिसके संबंध में उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उस शिकायत का विवरण भी पुलिस को सौंपा गया है। ताजा मामले को देखते हुए डॉ. दवे ने पुलिस से संबंधित मोबाइल नंबर की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

स्कूली छात्रा को कुचलने वाला ट्रक ड्राइवर पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल इलाके में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाकर स्कूटी सवार छात्राओं को टक्कर मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्राएं घायल हो गईं।

हादसा 3 मई की दोपहर नंदिनी रोड पर हुआ था। ट्रक ने स्कूटी सवार तीन नाबालिग बच्चियों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में 17 साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसकी दो सहेलियां गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

किताब छोड़कर सहेली के घर जा रही थीं

भिलाई के कैलाश नगर निवासी प्रभाष पाल की

नाबालिग बेटी अपनी दो सहेलियों के साथ एक्टिवा से जामुल से एसीसी चौक की ओर जा रही थी। तीनों छात्राएं किताब छोड़ने के बाद जूस पीने रुकी थीं। इसके बाद वे अपनी सहेली को उसके घर छोड़ने जा रही थीं।

इसी दौरान नंदिनी रोड पर ट्रक (सीजी 07 सीए 9607) के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों छात्राएं सड़क पर गिर गईं।

हादसे में एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

शराब के नशे में था चालक

थाना जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जांच के दौरान सामने आया कि ट्रक चालक शराब के नशे में था और तेज रफ्तार में लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

आरोपी की पहचान राकेश कुमार पाण्डेय (34) के रूप में हुई है, जो छावनी क्षेत्र का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया है।

ऑनलाइन सट्टे पर रायपुर कमिश्नरेट का एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में ऑनलाइन सट्टे के बढ़ते नेटवर्क पर लगाम कसते हुए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सट्टा सिंडिकेट से जुड़े नमन और आयुष को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की निशानदेही पर 12 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों आरोपी ऑनलाइन सट्टे की तीन वेबसाइट चला रहे थे। पूरे मामले का खुलासा रायपुर पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे।

संगठित तरीके से चला रहे थे सट्टा

पुलिस जांच में सामने आया है कि, आरोपी संगठित तरीके से

सट्टा नेटवर्क चला रहे थे। इसके लिए वे मास्टर आईडी और अलग-अलग पैनल के जरिए खिलाड़ियों को जोड़ते थे। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए गए हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपए के लेनदेन से जुड़े दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

सराफा-होटल कारोबारियों से संपर्क

शुरुआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि, इस नेटवर्क के तार शहर के कुछ बड़े कारोबारियों और सर्राफा व्यापारियों से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस इन एंगल्स पर भी जांच कर रही है, ताकि पूरे सिंडिकेट का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

जानकारी के मुताबिक आरोपी तीन पैनल 777 नाम से सट्टा संचालन कर रहे थे, जिसमें अलग-अलग आईडी के जरिए खिलाड़ियों को जोड़ा जाता था। यह नेटवर्क सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए तेजी से फैलाया जा रहा था। पुलिस को लंबे समय से इस गिरोह की गतिविधियों की सूचना मिल रही थी, जिसके बाद निगरानी कर कार्रवाई की गई।

सचिन तेंदुलकर बनकर 45 लाख की धोखाधड़ी, एफआईआर दर्ज

भिलाई। हुडको भिलाई निवासी सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी जयंत बागची ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने के नाम पर 45 लाख 18 हजार 998 रुपये की धोखाधड़ी का शिकार हो गया। प्रार्थी के मुताबिक आरोपितों द्वारा फेसबुक पर देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर एवं सुधा मूर्ति द्वारा भी निवेश के संबंध में कही जा रही बातों का वीडियो दिखाकर उसे झांसे में लिया गया।

मामले में भिलाई नगर पुलिस ने धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थी ने पुलिस को दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि वह भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारी है इसके पूर्व में भारतीय सेना में भी अपनी सेवा दे चुका है। प्रार्थी 10 मार्च 2026 को अपने मोबाइल नंबर पर फेसबुक देख रहा था। प्रार्थी के मुताबिक उसमें भारत देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा कुछ बातें कही जा रही थीं एवं प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे सचिन तेंदुलकर एवं सुधा मूर्ति के द्वारा भी निवेश के संबंध में कही जा रही थीं। उपरोक्त बातों से प्रभावित होकर प्रार्थी ने उपरोक्त संबंध में लिंक हेतु रजिस्ट्रेशन किया। प्रारंभिक रूप से प्रार्थी की बात कृतिका से हुई जिसने उसे पंजीयन के लिए 18,999 रुपये देने कहा।दो दिन बाद कृतिका ने व्हाट्सएप कॉल कर एकाउंट मैनेजर सिद्धार्थ विपुल से बात कराई। सिद्धार्थ विपुल ने प्रार्थी को बताया कि उन लोग ऑनलाइन ट्रेडिंग में राशि निवेश करेंगे, उनका चार देशों में यूके, यूएसए, जापान और ऑस्ट्रेलिया में व्यापार है। इसके बाद प्रार्थी नेट बैंकिंग के माध्यम से अलग-अलग तिथियों में राशि निवेश करता रहा। इस बीच 26 मार्च 2026 को सिद्धार्थ विपुल ने करण तनेजा नामक व्यक्ति से उसके व्हाट्सएप पर प्रार्थी की बात कराई।

करण तनेजा ने प्रार्थी से कहा कि वर्तमान में ईरान, अमेरिका, इजराइल के मध्य युद्ध चल रहा है जिसमें सोने के भाव गिर गए हैं। इस पर प्रार्थी ने 27 मार्च 2026 को आरटीजीएस के माध्यम से 25 लाख रुपये निवेश कर दिए। इस बीच भरोसा बनाए रखने के लिए आरोपितों ने प्रार्थी के बैंक खाते में एक बार 9,229 रुपये और एक बार दो लाख रुपये डाल दिए। इससे प्रार्थी को लगा कि निवेश सही दिशा में हो रहा है। इसके बाद आरोपितों ने ऑयल ट्रेडिंग सहित अन्य सेक्टरों में निवेश के नाम पर कुल 45 लाख 18 हजार 999 रुपये जमा करा लिए।

जंगली सूअर का हमला, 5 महिलाएं गंभीर घायल

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ के कोहलाकसा जंगल में जंगली सूअर के हमले से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार चिचोला, मूंगलानी और नारायणगढ़ गांव की करीब दस महिलाएं एलबी नगर क्षेत्र के कोहलाकसा जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई थीं। इसी दौरान अचानक एक जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया। हमले की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि पांच महिलाएं बुरी तरह घायल हो गईं। घायल महिलाओं में कोलहाकसा निवासी फूलबाई साहू की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनके सीने और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। अन्य घायलों का भी इलाज जारी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। फिलहाल वन विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पर्यटन संभावना

कोपरा जलाशय की दलदली जमीन होगा इको टूरिज्म का नया आकर्षण

प्रदेश का पहला रामसर साइट जिसे इस तरह विकसित किया जा रहा

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। कोपरा जलाशय रामसर स्थल के संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह राज्य की पहली रामसर साइट है, जिसे स्थानीय समुदायों, वन विभाग और विशेषज्ञों के समन्वय से विकसित किया जा रहा है, ताकि जैव विविधता व आजीविका सुनिश्चित रहे।

कोपरा जलाशय को रामसर स्थल का दर्जा मिलने के बाद, इसके अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए अब इसके संरक्षण और सतत विकास के लिए जनभागीदारी का मॉडल तैयार किया गया है। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के अधिकारियों, स्थानीय ग्राम प्रतिनिधियों और महिला स्व-सहायता समूहों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में जलाशय की सुरक्षा और विकास की एक व्यापक कार्ययोजना पर सहमति बनी है।

प्रथम चरण में कोपरा जलाशय को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी और नियमित स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। आर्द्रभूमि की पारिस्थितिकी और जल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। प्राकृतिक वनस्पतियों और दुर्लभ जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा।

स्थानीय रोजगार के नए द्वार और पर्यटन

कोपरा जलाशय में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। स्थानीय स्तर पर बर्ड वाचिंग और ईको-टूरिज्म ग्रामीण आजीविका के नए साधन बना रहे हैं।

युवाओं और महिलाओं की भागीदारी

अभियान को गति देने के लिए स्थानीय युवाओं को वेटलैंड मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। महिला स्व-सहायता समूहों ने न केवल स्वच्छता की जिम्मेदारी ली है, बल्कि गांव स्तर पर पर्यावरण जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी प्रस्ताव दिया है। स्कूलों में भी पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से बच्चों को इस धरोहर के प्रति जागरूक किया जाएगा। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक एकीकृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

सुशासन तिहार : एक चौपाल ऐसी भी जहां गूंजती रही तालियां

- लखपति दीदियों के हौसले देख गदगद हुए मुख्यमंत्री, अब करोड़पति बनने की बारी
- मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री का मिला आशीर्वाद और प्रोत्साहन
- बैगा बाहुल्य कमारखोल में आम पेड़ नीचे लगाई मुख्यमंत्री ने चौपाल

कबीरधाम। मई की तपती गर्मी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दूरस्थ गांवों के औचक दौरे पर रहे। मुख्यमंत्री ने जिले के पंडरिया स्थित लोखान पंचायत के बैगा बाहुल्य कमारखोल में पीएम जनमन योजना के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण किया और वहीं आम के पेड़ों के नीचे चौपाल लगा ली। बीरनमाला और कमल के फूल से उन्होंने मुख्यमंत्री का आत्मीय अभिनंदन किया।

इस दौरान महतारी शक्ति को सामने बैठा देख मुख्यमंत्री ने पूछ लिया कितनी महतारी यहाँ लखपति हो गई हैं? एक साथ अनेक हाथ हवा में उठ गए। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते सबको करोड़पति बनने की दिशा में आगे बढ़ने कहा।

उन्होंने बारी- बारी से लखपति दीदियों से बातचीत की । यहाँ जंगल से बीन कर लाए महुआ और चार को मुख्यमंत्री श्री साय को उपहार के रूप में देते हुए कुकदूर की लखपति दीदी श्रीमती कचरा तेलगाम ने मुख्यमंत्री से कहा कि महुआ का पौष्टिक लड्डू बनाकर खाइएगा , वरना मैं बना कर दूँगी। मुख्यमंत्री ने भी मुस्कुराते हुए कहा कि घर जाकर बनवाकर खाऊँगा।

श्रीमती कचरा तेलगाम दीदी आस पास के गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों में सेंट्रिंग प्लेट लगाती हैं और इससे उन्हें एक साल में 80 हजार की आय हुई है। उन्होंने भेंट स्वरूप मुख्यमंत्री को जंगल से बीने महुआ और चार दिया।

लोखन गांव में हैं 58 लखपति दीदियां

वहीं डीलर दीदी रजमत बाई धुर्वे ने बताया कि वे प्रधानमंत्री आवासों के लिए मटेरियल सप्लाई का काम करती हैं। उन्हें सालाना 2.50-3 लाख का मुनाफा हुआ है। लखपति पशुसखी शिवरानी पटेल ने कहा कि सीआईएफ से उन्होंने ऋण लिया और अपने खेत में सब्जी-भाजी लगाया। सालाना डेढ़ लाख की आय हो रही है। धन्यवाद स्वरूप उन्होंने अपने खेत की सब्जियां टोकरी में मुख्यमंत्री को भेंट की। लोखन पंचायत में 58 लखपति दीदियां हैं।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पेन देकर बढ़ाया हौसला

लोखान पंचायत के आश्रित ग्राम कमारखोल में मुख्यमंत्रीकी चौपाल को देख वहाँ से गुजर रहे राजेंद्र मसराम और उनके पिता भी रुक गए। छिरहा के रहने वाले इस मेधावी बच्चे ने इस साल हाई स्कूल में 94.5 प्रतिशत अंक के साथ जिले में नौवाँ स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें खुश होकर पेन दिया। उसने बताया कि वह आईएएस बनना चाहता है। बैगा बस्ती की हेम कुमारी को भी मुख्यमंत्री ने पेन दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों की मांग पर कमरखोल में मिशन तालाब गहरीकरण (ट्यूबवेल के साथ), रामखिलावन के घर से ग्राम देवसरा तक मिट्टी मुरुम सड़क (6 किलोमीटर लगभग), सामुदायिक भवन, मुक्तिधाम शेड निर्माण तथा महतारी सदन (स्व सहायता समूह की महिलाओं की माँग पर) की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, सीओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल उपस्थित रहे।

मालखरौदा शिविर में रत्नाकर को मिला मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

सुशासन तिहार के तहत सक्ति जिले के मालखरौदा विकासखंड में आयोजित प्रथम जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम किरकार निवासी दिव्यांग जोशिक रत्नाकर के जीवन में खुशियों का सवेरा हुआ। 85 प्रतिशत अस्थि बाधित जोशिक रत्नाकर को अपने दैनिक कार्यों और आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। शिविर में उनके द्वारा मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल हेतु आवेदन प्रस्तुत करते ही समाज कल्याण विभाग ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित संज्ञान लिया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उन्हें मौके पर ही मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की गई।

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त करने के बाद जोशिक ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब वे बिना किसी की मदद के स्वतंत्र रूप से कहीं भी आ-जा सकेंगे। इससे न केवल उनके समय की बचत होगी, बल्कि वे स्वयं को अधिक आत्मनिर्भर महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मालखरौदा में आयोजित यह शिविर इस बात का प्रमाण है कि राज्य शासन की योजनाएं अब फाइलों से निकलकर सीधे जनता के द्वार तक पहुँच रही हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की शिकायतों और मांगों का बिना किसी विलंब के समाधान करना है, जिससे सरकारी तंत्र के प्रति आम जन का विश्वास और सुदृढ़ हुआ है।

भिखारीमाल की जयकुमारी को मिली पक्के घर की चाबी

रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत लोइंग में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम भिखारीमाल की निवासी जयकुमारी प्रधान को उनके पक्के घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपकर उनके वर्षों पुराने सपने को साकार किया गया। जयकुमारी लंबे समय से एक जर्जर कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ रह रही थीं। हर मौसम उनके लिए नई चुनौती लेकर आता था। विशेषकर बारिश के दिनों में टपकती छत, कमजोर दीवारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार बनी रहने वाली चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। ग्राम लोइंग में आयोजित समाधान शिविर के दौरान जब उन्हें उनके नए घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई, तो यह क्षण उनके जीवन के लिए अविस्मरणीय बन गया।

पर्यावरण संरक्षण व पुनर्वनीकरण की बनेगी मिसाल

जापानी पद्धति 'मियावाकी' से अरपा तट पर छा जाएंगे वन, 10 गुना रफ्तार से बढ़ेंगे वृक्ष

- कम समय में शहर को मिलेगी सघन हरियाली
- सघन वृक्षारोपण से बदलेगी शहर की आबोहवा
- बिलासपुर शहर की लाइफ लाइन है अरपा नदी

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बिलासपुर शहर में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को विस्तार देने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम (कोटा परियोजना मण्डल) द्वारा साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड बिलासपुर के सहयोग से अरपा नदी के तट पर मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है।

कमिश्नर कार्यालय (कोनी) के पीछे, अरपा नदी तट लगभग 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में 15,000 पौधों का रोपण किया जाएगा। जमीन में एक मीटर गहरी खाई (ट्रेंच) खोदकर उपजाऊ मिट्टी के साथ पौधों का सघन रोपण।

इसकी विशेषताएं हैं कि तीव्र विकास वाले पौधे सामान्य वृक्षारोपण की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं। यह सामान्य वनों की तुलना में 30 गुना अधिक सघन होते हैं। कम स्थान में अधिक प्रजातियों के पौधे होने से जैव विविधता में वृद्धि होती है। 2 फीट चौड़ी और 30 फीट पट्टी में 100 से भी अधिक पौधे रोपे जा सकते हैं। पौधों को पास-पास लगाने से इन पर खराब मौसम का असर नहीं पड़ता है और गर्मी में नमी नहीं कम होती और ये हरे-भरे रहते हैं। 3 साल के बाद इनकी देखभाल नहीं करनी पड़ती। कम जगह में लगे घने पौधे ऑक्सीजन बैंक की तरह काम करते हैं। इस तकनीक का इस्तेमाल वन क्षेत्र में ही नहीं घरों के आसपास भी किया जा सकता है।

सफलता का पिछला रिकॉर्ड

उल्लेखनीय है कि वन विकास निगम इससे पहले भी बिलासपुर में एन टी पी सी सीपत के सहयोग से 94 हजार पौधों का मियावाकी वन सफलतापूर्वक विकसित कर चुका है। अरपा तट पर हो रही यह नई पहल न केवल शहर के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगी, बल्कि निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी प्रदान करेगी।

दुनिया को ठंडा रखने के लिए एक ट्रिलियन पेड़ों की आवश्यकता

साइंस जर्नल में छपी एक ताजा रिसर्च स्टडी में दुनिया को ठंडा रखने के लिए जंगल उगाना ही एकमात्र उपाय है। इस रिसर्च में कहा गया है कि अगर जलवायु परिवर्तन के खतरे से बचना है तो पृथ्वीवासियों को कम से कम एक लाख करोड़ (एक ट्रिलियन) पेड़ लगाने होंगे। जापान से निकली जंगल उगाने की 'मियावाकी' तकनीक इसे संभव बनाती है। इसे जापान के बॉटेनिस्ट अकीरा मियावाकी ने विकसित किया था। इसकी मदद से बहुत कम और बंजर जमीन में भी तीन तरह के पौधे (झाड़ीनुमा, मध्यम आकार के पेड़ और छांव देने वाले बड़े पेड़) लगाकर जंगल उगाया जा सकता है। आप बगीचे या आसपास की खुली जगह में भी मिनी मियावाकी जंगल उगा सकते हैं। दुनियाभर में इस तकनीक से अब तक तीन हजार से ज्यादा जंगल उगाए जा चुके हैं। भारत में बेंगलुरु में इसे स्टार्ट-अप की तरह लिया है और टीम बनाकर 43 से ज्यादा क्लाइंट्स के लिए 54 हजार से ज्यादा पेड़ लगाए हैं।

बस्तर बनेगा नया इनोवेशन हब : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मंच, मार्गदर्शन और अवसर की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर के समग्र विकास के लिए तैयार रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, शिक्षा, स्टार्टअप और अधोसंरचना का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना का विस्तार कर इसे नियद नेल्ला नार 2.0 के रूप में 10 जिलों में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को इनोवेशन हब बनाने के उद्देश्य से नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30卐 लागू की गई है। इस नीति के तहत युवाओं को आइडिया से लेकर व्यवसाय विस्तार तक हर स्तर पर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता जैसी सुविधाओं से स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग विकसित बस्तर से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आदिवासी कला, लघु वनोपज, जैविक कृषि, पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें तकनीक, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि बस्तर में पर्यटन के बढ़ने से होमस्टे, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और वनोपज की मांग बढ़ेगी, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताया कि बस्तर का युवा उद्यमिता के माध्यम से विकसित बस्तर, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कार्यक्रम में नवाचार करने वाले बेस्ट आइडिया और बेस्ट स्टार्टअप के विजयी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाकर युवा आगे बढ़ें, ताकि अपने घर-परिवार को खुशहाल बना सकें।

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि इस इनोवेशन महाकुंभ के माध्यम से युवाओं को एक मंच मिला है, जिससे वे अपने नवाचार को आगे बढ़ाने के साथ ही आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वयं का व्यवसाय या स्वरोजगार स्थापित कर नौकरी देने वाले बनें और अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनें।

इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप एवं विधायक जगदलपुर किरण देव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार के जरिये उद्यमिता एवं स्वरोजगार अपनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहभागिता निभाने के लिए युवाओं से आह्वान किया।

कार्यक्रम के आरंभ में शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने इनोवेशन महाकुंभ आयोजन के उद्देश्य और विश्वविद्यालय की स्थापना सहित संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं नवोन्मेषी प्रयासों के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

इस अवसर पर विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल, छत्तीसगढ़ ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मद्दी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर श्री संजय पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950